● वर्ष : 05 ● अंक : 08

● गाजियाबाद, बुधवार 29 अप्रैल 2026

● पृष्ठ-6 ● मूल्य : दो रूपये

● RNI No - UPHIN/2022/84480

E-mail: swastiksaharanews@gmail.com

www.swastiksahara.com

नई दिल्ली, हरियाणा, गुरुग्राम, लखनऊ, नोएडा, मेरठ, हापुड़ और एनसीआर में सर्वाधिक प्रसारित

स्वास्तिक सहारा

गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

आपको खेल के नियम सीखने चाहिए और आप किसी भी खिलाड़ी से बेहतर खेलेंगे ।

बंगाल का अंतिम रणः दक्षिणी मैदानों में तय होगी सत्ता की असली दिशा

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

कोलकाता। रिची रोड की सामान्यतः शांत रहने वाली सड़क पर बेचैनी का असाधारण नजारा नजर आया और मैडॉक्स स्क्वायर के पास स्थित सौ वर्ष से अधिक पुराने सेंट लॉरेंस स्कूल परिसर में लाउडस्पीकरों की आवाज गूंज रही थी। मतदान अधिकारी, सुरक्षा कर्मी, बसों की लंबी कतारें, अंतिम निर्देश, कागजी औपचारिकताएं और चेहरे पर जिम्मेदारी का तनाव। यह केवल चुनावी तैयारी नहीं, बल्कि पश्चिम बंगाल के राजनीतिक भविष्य की धड़कन थी। ऐसा ही दृश्य दक्षिण बंगाल के अनेक वितरण केंद्रों पर दोहराया जा रहा है, जहां दूसरे और

अंतिम चरण के मतदान से पहले प्रशासनिक मशीनरी पूरी ताकत से सक्रिय है। बुधवार को 294 सदस्यीय विधानसभा की 142 सीटों पर मतदान होना है, लेकिन संख्या से कहीं अधिक महत्वपूर्ण है इन सीटों का राजनीतिक वजन। कोलकाता, हावड़ा, हुगली, उत्तर और दक्षिण 24 परगना सहित दक्षिण बंगाल के कई हिस्से केवल भौगोलिक क्षेत्र नहीं बल्कि बंगाल की जनसंख्या, अर्थव्यवस्था, इतिहास और सत्ता-संतुलन का केंद्र है। राज्य की लगभग आधी आबादी इसी हिस्से में बसती है। उपजाऊ गंगा-ब्रह्मपुत्र डेल्टा, बंदरगाह, औद्योगिक पट्टी और ऐतिहासिक शहरीकरण ने इसे बंगाल की राजनीतिक आत्मा बना दिया है। यही कारण है कि चुनाव विश्लेषक इस चरण को निर्णायक मान रहे हैं। वर्ष 2021 में इसी दक्षिणी पट्टी ने तृणमूल कांग्रेस को प्रचंड बढ़त दी थी। यहां तृणमूल ने 123 सीटें जीतकर अपनी सत्ता की नींव मजबूत की थी, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) महज 18 सीटों पर सिमट गयी थी। इस बार तस्वीर वही रहेगी या बदल जाएगी, यही सबसे बड़ा प्रश्न है। तृणमूल कांग्रेस के लिए यह अपनी सबसे मजबूत जमीन बचाने की लड़ाई है, जबकि भाजपा के लिए यही वह रणभूमि है जहां उसे सत्ता परिवर्तन का वास्तविक दावा सिद्ध करना होगा।

अंडरवर्ल्ड पर बड़ी स्ट्राइकः दाऊद का करीबी सलीम डोला इस्तांबुल में गिरफ्तार, भारत लाया गया

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय खुफिया एजेंसियों को संगठित अपराध के खिलाफ एक बड़ी सफलता मिली है। भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम के बेहद करीबी माने जाने वाले सलीम डोला को तुर्की की राजधानी इस्तांबुल में गिरफ्तार करने के बाद भारत भेज दिया गया है। डोला की यह गिरफ्तारी अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों और भारतीय खुफिया इकाइयों के सफल तालमेल का परिणाम है। अधिकारियों के अनुसार, तुर्की में हिरासत में लिए जाने के बाद डोला को आज सुबह एक विशेष विमान से दिल्ली लाया गया। इसके बाद उसे दिल्ली के टेक्निकल एयरपोर्ट पर हिरासत में ले लिया गया, जहाँ खुफिया एजेंसियाँ उससे पूछताछ कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, यह कार्रवाई भारतीय खुफिया इकाइयों और अंतरराष्ट्रीय कानून प्रवर्तन एजेंसियों के बीच करीबी सहयोग से पूरी की गई, जिसके चलते उसे इस्तांबुल से भारत भेजा जा सका। दिल्ली में शुरूआती पूछताछ के बाद, डोला को आगे की जाँच और कानूनी कार्रवाई के लिए मुंबई पुलिस को सौंपे जाने की उम्मीद है। अधिकारियों का मानना है कि डोला के दाऊद इब्राहिम के आपराधिक नेटवर्क से लंबे समय से संबंध रहे हैं, और भारत में उसके आने से संगठित अपराध गिरोहों से जुड़ी चल रही जाँच में अहम सुराग मिलने की उम्मीद है।

भारत-तुर्की संधि

भारत और तुर्की ने 2001 में हस्ताक्षरित एक प्रत्यर्पण संधि के माध्यम से आतंकवाद और सीमा पार अपराधों से निपटने में सहयोग के लिए एक औपचारिक कानूनी ढाँचा स्थापित किया। इस समझौते को बाद में मंजूरी मिली और जून 2002 में यह लागू हो गया। इस संधि पर 29 जून 2001 को भारत के तत्कालीन गृह मंत्री लालकृष्ण आडवाणी और तुर्की के न्याय मंत्री हिकमत सामी तुर्क ने हस्ताक्षर किए थे। यह दोनों देशों के बीच न्यायिक सहयोग को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम था।

हिंदुस्तान पहले से ही 'हिंदू राष्ट्र', घोषणा की आवश्यकता नहीं: मोहन भागवत

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने सोमवार को नागपुर के रेशिमबाग में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान भारत की सांस्कृतिक पहचान और राम मंदिर निर्माण को लेकर महत्वपूर्ण विचार साझा किए। डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में उन्होंने स्पष्ट किया कि भारत को 'हिंदू राष्ट्र' घोषित करने की कोई औपचारिक आवश्यकता नहीं है, क्योंकि यह अपनी प्रकृति और आत्मा से सदैव एक हिंदू राष्ट्र ही रहा है।

आरएसएस की एक विज्ञप्ति के अनुसार वह रेशिमबाग स्थित डॉ. हेडगेवार स्मारक समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में उन व्यक्तियों के सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे, जिनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में मंदिर का निर्माण हुआ। उन्होंने कहा

कि मंदिर का निर्माण भगवान राम की इच्छा से हुआ। भागवत ने इसकी तुलना भगवान कृष्ण द्वारा गोवर्धन पर्वत उठाने से करते हुए कहा कि ऐसे कार्य तभी संभव होते हैं, जब सभी का योगदान हो। उन्होंने 2014 के लोकसभा चुनावों का जिक्र करते हुए कहा कि जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नई सरकार ने शपथ ली, तो लंदन के 'द गार्डियन' अखबार ने लिखा कि इस दिन भारत ने वास्तव में ब्रिटिश शासन को अलविदा कहा। उन्होंने सवाल किया कि क्या प्रतिबद्ध नेतृत्व के बिना राम मंदिर का निर्माण संभव था।

बीजेपी के बंगाल गुड बाय पोस्ट पर भड़की टीएमसी, बोली- बंगाल की पहचान मिटाने की खुली धमकी

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) की बंगाल गुड बाय टिप्पणी की कड़ी आलोचना की और विपक्षी पार्टी पर राज्य को तोड़ने की कोशिश करने का आरोप लगाया। बीजेपी ने 4 मई को चुनाव नतीजों के बाद सीएम ममता के बाहर जाते हुए एक ग्राफि क शेयर किया था, जिस पर लिखा था, बंगाल गुड बाय। टीएमसी ने इस सोशल मीडिया पोस्ट को पश्चिम बंगाल की संस्कृति और भाषा के लिए एक खुली धमकी माना है और आरोप लगाया है कि बीजेपी राज्य के लोगों को एक जैसा बनाना चाहती है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में टीएमसी ने बीजेपी के खिलाफ बांग्ला-विरोधी तंज को दोहराया। टीएमसी ने

पोस्ट किया बीजेपी बंगाल में 'पल्टाना दरकार' और 'पोरिबर्तन' के नारे लगाते हुए आई थी। अब वे खुले तौर पर 'बंगाल गुड बाय' कह रहे हैं। यह बंगाल की पहचान से जुड़ी हर चीज को मिटाने की एक खुली धमकी है। आइए, हम यह साफ कर दें कि 'बंगाल गुड बाय' का असली मतलब क्या है: गुड बाय, बंगाल की संस्कृति; गुड बाय, बंगाली भाषा; गुड बाय, बंगाल के महापुरुष; गुड बाय, बंगाल का इतिहास; गुड बाय, बंगाली साहित्य; गुड बाय, बंगाल की विरासत; गुड बाय, बंगाली खाना। बीजेपी बंगाल पर राज नहीं करना चाहती। वे इसे खत्म करना चाहते हैं। वे हमारे मूल स्वरूप को ही बदलना चाहते हैं; हमारी पहचान को अपने एक जैसे, एकछत्र रूप से बदलना चाहते हैं, जिसमें बंगाल की अपनी खासियत, बंगाल के गौरव या बंगाल की आत्मा के लिए कोई जगह न हो। वे उस चीज को बदलना चाहते हैं जो बंगाल को 'बंगाल' बनाती है। हम ऐसा होने नहीं दे सकते। हम ऐसा बिल्कुल नहीं होने देंगे। इस 'बांग्ला-विरोधी' बीजेपी को हमारी पहचान मिटाने मत दो। इसके खिलाफ आवाज उठाओ, सोशल मीडिया पोस्ट में यह लिखा था। यह सब दोनों पार्टियों के बीच चल रही बयानबाजी के बीच सामने आया है, क्योंकि पश्चिम बंगाल चुनावों के दूसरे चरण के लिए 29 अप्रैल को वोटिंग होगी और वोटों की गिनती 4 मई को होगी। चुनावों के पहले चरण की वोटिंग में रिकॉर्ड 93.19 प्रतिशत मतदाताओं ने हिस्सा लिया। टीएमसी लगातार चौथी जीत दर्ज करने का लक्ष्य लेकर चल रही है, जबकि इखढ 2021 के चुनावों में 77 सीटें जीतकर अपनी स्थिति मजबूत करने के बाद, इस बार पूर्ण बहुमत हासिल करने की उम्मीद कर रही है।

बंगाल में ममता के तानाशाही शासन का होगा अंतः चिराग पासवान

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की ''बड़ी जीत'' का दावा करते हुए मंगलवार को कहा कि राज्य की जनता तृणमूल कांग्रेस अध्यक्ष ममता बनर्जी के ''हिंसक, भ्रष्ट और तानाशाही'' शासन से ऊब चुकी है। भाजपा नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सहयोगी लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के अध्यक्ष पासवान ने पटना में संवाददाताओं से कहा, ''पश्चिम बंगाल की जनता ममता बनर्जी के तानाशाही, हिंसक और भ्रष्ट शासन से मुक्ति पाने के लिए मतदान करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के व्यापक चुनाव प्रचार ने लोगों में विश्वास पैदा किया है।'' उनका यह बयान पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के

मतदान से एक दिन पहले आया है। उन्होंने दावा किया, ''मुझे पूरा विश्वास है कि चार मई को जिन पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने वाले हैं, उन सभी में राजग बड़ी जीत की ओर बढ़ रहा है। आप मेरी बात नोट कर लीजिए। मैं कोई अनुमान नहीं लगा रहा हूं।'' पासवान ने यह टिप्पणी असम, पश्चिम बंगाल, पुडुचेरी, केरल और तमिलनाडु के चुनावों के संदर्भ में की। हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पासवान से दिल्ली की एक हालिया घटना के बारे में भी पूछा गया।

आतिशी का बीजेपी पर दोतरफा हमला, महिला भत्ते और आप सांसदों के दल-बदल पर घेरा

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष आतिशी ने महिलाओं को 2,500 रुपये प्रति माह देने के चुनावी वादे को लेकर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार पर मंगलवार को सवाल उठाए और आम आदमी पार्टी (आप) के सात राज्यसभा सदस्यों के भाजपा में शामिल होने को ''असंवैधानिक'' करार दिया। आतिशी ने एक संवाददाता सम्मेलन

में कहा कि पिछले साल हुए दिल्ली विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने जनवरी में वादा किया था कि राष्ट्रीय राजधानी की महिलाओं को उसी साल आठ मार्च से हर महीने 2,500 रुपये उनके बैंक खातों में मिलने लगेंगे।

उन्होंने कहा कि महिलाओं से अपने बैंक खातों को मोबाइल नंबर से लिंक करने के लिए कहा गया था और यह आश्वासन दिया गया था कि राशि जमा होने की पुष्टि का संदेश उन्हें मिलेगा।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, आठ मार्च 2025 गुजर चुका है और अब आठ मार्च 2026 भी बीत गया लेकिन दिल्ली की महिलाओं के खातों में 2,500 रुपये नहीं आए हैं।

मीरा रोड हमले की एनआईए करेगी जांच, आरोपी के पास से मिला ISIS और 'जिहाद' का ज़िक्र वाला नोट

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

मुम्बई। महाराष्ट्र के मीरा रोड इलाके के नया नगर में दो सिक्योरिटी गार्ड पर हुए हमले की जांच तेज हो गई है, और अब एजेंसियां इसमें किसी संभावित आतंकी कनेक्शन की भी जांच कर रही हैं। सूत्रों के मुताबिक, इस घटना के पीछे लोन वुल्फ (अकेले हमला करने वाले) हमले का शक है, जिससे सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंताएं पैदा हो गई हैं। जांच के दौरान, आरोपी के पास से एक नोट बरामद हुआ है जिसमें आईएसआईएस, जिहाद, और गाजा

जैसे शब्द लिखे थे। इस नोट में लिखी बातें, जो धमकी भरी भाषा और कट्टरपंथी सोच से भरी हैं, उन्होंने शक को और भी गहरा कर दिया है। बताया जा रहा है कि नोट में लोन वुल्फ तुम पर झपटेंगे, तुम मुशरिकों को अब से 'बिलाद-ए-हिंद' में असली जिहाद देखने को मिलेगा! जैसे वाक्य लिखे थे, साथ ही लोगों, परिवारों और गाजा का ज़िक्र करने वाली कुछ अधूरी लाइनें भी लिखी थीं।

पुलिस ने बताया कि आरोपी, जिसकी पहचान जुबैर अंसारी के रूप में हुई है, शुरू में उस जगह पर आया था और जाने से पहले उसने एक मस्जिद का रास्ता पूछा था। बाद में वह वापस आया और एक सिक्योरिटी गार्ड से उसके धर्म के बारे में पूछा; आरोप है कि उसने गार्ड से कलमा पढ़ने को कहा।

जब गार्ड ने मना कर दिया, तो अंसारी ने अचानक चाकू से उस पर हमला कर दिया। इसके बाद वह सिक्योरिटी केबिन में घुस गया और दूसरे गार्ड पर भी इसी तरह का हमला किया। कुछ संदिग्ध चीजें मिलने के बाद, यह मामला एंटी-टेररिज्म स्क्वॉड (एनआईए) को सौंप दिया गया। जाँचकर्ता इस समय आरोपी के डिजिटल फुटप्रिंट की जाँच कर रहे हैं, जिसमें उसका मोबाइल डेटा, ब्राउज़िंग हिस्ट्री और बातचीत के रिकॉर्ड शामिल हैं। आरोपी के घर की तलाशी के दौरान कथित तौर पर कुछ और नोट और दस्तावेज मिले हैं, जिनसे पता चलता है कि वह प्रतिबंधित आतंकी संगठन क्कक्र से जुड़ी चरमपंथी विचारधारा से प्रभावित था।

महिला आरक्षण पर कांग्रेस का सरकार पर दबाव, 2029 से लागू करने को सर्वदलीय बैठक बुलाएं

स्वास्तिक सहारा नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार अभियान थमने के बाद अब सरकार को महिला आरक्षण को 2029 से लागू करने के बारे में चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलानी चाहिए। पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को अपने व्यक्तिगत राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए महिलाओं का उपयोग करने के बजाय उन्हें न्याय प्रदान करना चाहिए।

मुख्य विपक्षी दल ने महिला आरक्षण के विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग, पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे एवं अंतिम चरण के मतदान के लिए प्रचार थमने के बाद एक बार फिर उठाई है। उसने और कई अन्य विपक्षी दलों ने पहले भी सरकार से यह आग्रह किया था कि विधानसभा चुनावों के लिए प्रचार संपन्न होने के बाद महिला आरक्षण के विषय पर सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए। सरकार महिला आरक्षण को वर्ष 2029 से लागू करने और परिसीमन से संबंधित संविधान संशोधन विधेयक संसद के बीते बजट सत्र में लाई थी, हालांकि यह पारित नहीं हो पाया।

विपक्ष ने यह कहते हुए इसका पुरजोर विरोध किया कि महिला आरक्षण के नाम पर परिसीमन को थोपा जा रहा है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, अब जब चुनाव प्रचार समाप्त हो गया है और लोकसभा सीटों के खतरनाक परिसीमन को अंजाम देने की उनकी चाल विपक्षी एकजुटता के कारण बुरी तरह विफल हो गई है, तो प्रधानमंत्री के लिए वह करने का समय आ गया है जो विपक्ष एकजुट होकर मार्च, 2026 के मध्य से लगातार मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि इस बात पर चर्चा करने के लिए एक सर्वदलीय बैठक बुलाई जानी चाहिए कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 को 2029 से लोकसभा सीटों की मौजूदा संख्या के साथ कैसे लागू किया जा सकता है। कांग्रेस नेता ने कहा, यह संभव है। यह वांछनीय है। यह जरूरी है। रमेश ने कहा, संसद के विशेष सत्र के दौरान महिला आरक्षण कभी मुद्दा नहीं था। तब एजेंडा केवल प्रधानमंत्री के राजनीतिक संरक्षण के लिए परिसीमन था।

मेवाड़ के विद्यार्थी योग के अनेक पारम्परिक स्वरूपों से हुए रूबरू

● बिहार योग विद्यालय के वरिष्ठ संन्यासी स्वामी शिवराजानंद सरस्वती ने बताईं योग की विधियां

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। वसुंधरा स्थित मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के विवेकानंद सभागार में विद्यार्थी, प्राध्यापक सहित स्टाफ के अन्य सदस्य पारंपरिक योग के शुद्ध स्वरूपों से अवगत हुए। उन्होंने जाना कि किस तरह शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक शान्ति एवं आध्यात्मिक आनन्द प्राप्त कराने वाली योगविद्या का न केवल व्यवसायीकरण किया जा चुका है, बल्कि स्वरूप भी या तो परिवर्तित या विकृत किया जा चुका है। इस लिहाज से विश्व प्रसिद्ध बिहार योग विद्यालय के

वरिष्ठ संन्यासी स्वामी शिवराजानंद सरस्वती की उपस्थिति में आयोजित योग सत्र बेहद सफल रहा। साथ ही यह आयोजन योगविद्या के मूल उद्देश्य की झलक मात्र पाने वाले छात्रों के लिए यादगार भी बना। मेवाड़ ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से आयोजित इस योग साधना सत्र में विभिन्न विभागों के संकाय सदस्यों के साथ-साथ बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस मौके पर मेवाड़ की निदेशक डॉ अलका अग्रवाल की उपस्थिति ने इस कार्यक्रम को विशेष बनाया। उषाकाल ज्ञान फाउंडेशन के संरक्षक एवं आध्यात्मिक पत्रकार किशोर कुमार ने योग विषय की जानकारी दी। यह कार्यक्रम नई दिल्ली स्थित त्यागराज स्टेडियम में आगामी 1, 2 व 3 मई को आधुनिक युग के वैज्ञानिक संत परमहंस स्वामी निरंजनानंद सरस्वती की उपस्थिति में बिहार योग विद्यालय के योग साधना सत्र की तैयारी का भी हिस्सा था।

500 लाभार्थियों को विभिन्न ग्रामोद्योग गतिविधियों के लिए 896 मशीनरी एवं टूलकिट वितरित

100 करोड़ रुपये से अधिक की मार्जिन मनी सहायता तथा 28,558 से अधिक रोजगार सृजित हुए

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत', 'वोकल फॉर लोकल' एवं 'लोकल टू ग्लोबल' के संकल्प को सशक्त आधार प्रदान करते हुए खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) द्वारा मंडलीय कार्यालय मेरठ के अंतर्गत गाजियाबाद स्थित पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में मंगलवार को ग्रामोद्योग विकास योजना के तहत मशीनरी एवं टूलकिट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने विभिन्न ग्रामोद्योग गतिविधियों से जुड़े लगभग 500 लाभार्थियों को 896 आधुनिक मशीनरी एवं टूलकिट प्रदान किए गए, जिससे कौशल विकास और उद्यमिता को और अधिक सुदृढ़ बनाया जा सके। अध्यक्ष, केवीआईसी मनोज कुमार ने इस अवसर पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'विकसित भारत' विजन, महात्मा गांधी के 'स्वदेशी' और 'ग्राम स्वराज' का आधुनिक स्वरूप है। उन्होंने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आज केवल परंपरा नहीं, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने का प्रभावी माध्यम बन चुके हैं। 'हर घर

स्वदेशी' का भाव अब जन-आंदोलन का रूप ले रहा है। उन्होंने बताया कि ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत विभिन्न ग्रामोद्योग गतिविधियों से जुड़े लाभार्थियों को हनी मिशन के तहत 600 मधुमक्खी बॉक्स, 200 विद्युत चालित कुम्हार चाक, 20 फुटवियर निर्माण एवं मरम्मत टूलकिट, 20 पेपर दोना-पत्तल बनाने की मशीन, 20 प्लंबर टूलकिट, 16 कच्ची घानी तेल मशीन, 80 मसाला एवं खाद्य प्रसंस्करण इकाइयाँ तथा 20 पॉपकॉर्न मशीन सहित अन्य सेवा उद्योगों से संबंधित उपकरण वितरित किए जा रहे हैं, जिससे कारीगरों को आधुनिक तकनीक से जोड़ते हुए उनके कौशल को स्वरोजगार एवं स्थायी आय के अवसरों में परिवर्तित किया जा सके। मंडलीय कार्यालय मेरठ की उपलब्धियां गिनाते हुए अध्यक्ष केवीआईसी ने कहा कि ग्रामोद्योग विकास योजना के अंतर्गत पिछले पाँच वर्षों (2020-21 से 2024-25) में 1920 लाभार्थियों को 5132 मशीनरी एवं टूलकिट वितरित किए गए हैं, जिससे स्थानीय स्तर पर रोजगार और स्वरोजगार के अवसरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के अंतर्गत भी मेरठ क्षेत्र के अंतर्गत महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की गई है। पिछले पाँच वर्षों में 2347 इकाइयों की स्थापना की गई, जिनके लिए 100 करोड़ रुपये से अधिक की मार्जिन मनी सहायता प्रदान की गई तथा 28 हजार से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ। यह उपलब्धि ग्रामीण उद्यमिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सशक्त कदम है। खादी क्षेत्र में भी मेरठ क्षेत्र निरंतर प्रगति कर रहा है। वर्तमान में 232 खादी संस्थाओं के माध्यम से 58,430 कारीगर जुड़े हुए हैं। पिछले पाँच वर्षों (2020-21 से 2024-25) के दौरान इस क्षेत्र में खादी का कुल उत्पादन 1,771 करोड़ रुपये से अधिक तथा कुल बिक्री 3,135 करोड़ रुपये से अधिक दर्ज की गई है। ये आंकड़े दशार्ते हैं कि खादी अब 'खादी फॉर नेशन', 'खादी फॉर फैशन' और 'खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' के रूप में देश की आत्मनिर्भरता का एक सशक्त आधार बन चुकी है। कार्यक्रम में खादी संस्थाओं के प्रतिनिधि, कारीगर, प्रशिक्षार्थी, बैंक प्रतिनिधि तथा केवीआईसी एवं राज्य सरकार के अधिकारी उपस्थित रहे। यह आयोजन 'आत्मनिर्भर भारत' के निर्माण की दिशा में केवीआईसी के सतत प्रयासों का सशक्त उदाहरण है।

बढ़ती गर्मी को देखते हुए नगर निगम ने शहर में लगाए अस्थाई प्याऊ, राहगिरियों को मिली राहत

पांचों जोन में 50 से अधिक स्थानों पर लगाए गए मटके वाले प्याऊ

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। गाजियाबाद नगर निगम द्वारा बढ़ती गर्मी को देखते हुए शहर में सार्वजनिक स्थानों पर स्थाई प्याऊ लगाए गए हैं, पांचों जोन अंतर्गत लगभग 50 से अधिक स्थानों पर मटके वाले प्याऊ लगाए गए हैं, राहगिरियों को प्यास बुझाने के लिए मटके वाले प्याऊ से पानी मिल रहा है राहत मिल रही है, ऐसे स्थान जहां यात्रियों, रिक्शा चालक तथा राहगिरियों का आना-जाना लगा रहता है स्थान को चयन करते हुए प्याऊ लगाए गए हैं नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार जलकल विभाग टीम द्वारा सार्वजनिक स्थलों पर मटके वाले प्याऊ लगाए गए हैं, जिसका लाभ रहागिरियों को मिल रहा है।

नगर आयुक्त द्वारा बताया गया कि बढ़ती गर्मी में सड़कों पर लगातार चलने वालों के लिए पेयजल की व्यवस्था की गई है शुद्ध और शीतल पेयजल की व्यवस्था के क्रम में सार्वजनिक स्थलों पर मटके रखे गए हैं कैनेपी बनाई गई है जिसमें मटकों को सुरक्षा की दृष्टि से रखा गया है दिन में पांच बार मटको को पानी से भरने का कार्य जलकल विभाग टीम द्वारा किया जा रहा है, प्याऊ पर पानी पिलाने के लिए भी टीम लगाई गई है कैनेपी और अन्य माध्यम से मटकों सुरक्षा की दृष्टि से कवर्ड किया गया है, आवश्यकता को देखते हुए अस्थाई मटके वाले प्याऊ की संख्या बढ़ाई जाएगी। महाप्रबंधक जल कामाख्या प्रसाद आनंद द्वारा बताया गया स्थान का चयन करने के उपरांत अस्थाई प्याऊ सार्वजनिक स्थलों पर लगाए गए हैं जिसमें सिटी जोन अंतर्गत न्यू आर्य नगर, बजरिया, रेलवे स्टेशन, घंटाघर, पटेल नगर, मरियम नगर, एमएमजी अस्पताल के सामने लगाया गया है, इंदिरापुरम क्षेत्र में मंगल चौक शक्ति खंड 1, ज्ञान खंड 4, स्वर्ण जयंती पार्क की गेट पर, अभय खंड तिरंगा चौक पर अस्थाई प्याऊ लगाए गए हैं, विजयनगर क्षेत्र में ए ब्लॉक सेक्टर 11 प्रताप विहार, कैलाश नगर पुलिस चौकी के सामने, विजयनगर थाने के सामने, लीलावती चौक तथा गौशाला फाटक पर अस्थाई मटके वाले प्याऊ लगाए गए हैं, कवि नगर जोन अंतर्गत कलेक्ट्रेटपरिसर, आरडीसी फ्लावर के नीचे, हिंट चौक, कवि नगर ल ब्लॉक, संजय नगर छ ब्लॉक टेंपो स्टैंड, हापुर चुंगी में प्याऊ लगाया गया है, वसुंधरा में किसान चौक सेक्टर 10, अटल चौक सेक्टर 15, बुद्धि चौक सेक्टर 7, वैशाली सेक्टर 4 मार्केट एरिया में प्याऊ लगाए गए हैं, मोहन नगर जोन अंतर्गत अप्सरा बॉर्डर, श्याम पार्क मेट्रो स्टेशन, राजेंद्र नगर में स्कूल के पास, शालीमार गार्डन 50 फुटा रोड, हिंडन एयर फोर्स के पास अस्थाई मटके वाले प्याऊ लगाए गए हैं।

इसके अलावा आवश्यकता को देखते हुए अन्य स्थानों का भी चयन किया जा रहा है जहां पर पेयजल की व्यवस्था करने के लिए अस्थाई प्याऊ लगाए जाएंगे विशेष रूप से स्कूल, रेलवे स्टेशन, अस्पताल, बैंक, मेट्रो स्टेशन, बस अड्डा पर जहां अधिक संख्या में यात्रीगण तथा राहगीर उपस्थित होते हैं अस्थाई प्याऊ लगाए गए हैं।

गो आश्रय स्थलों के जनपदीय समीक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जनपद गाजियाबाद की गोआश्रय की जनपदीय अनुश्रवण मूल्यांकन एवं समीक्षा समिति की बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में अपर अधिकारी प्रशासन, अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, समस्त उप जिलाधिकारी, जिला पंचायत राज अधिकारी, जिला कृषि अधिकारी, जिला कृषि रक्षा अधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत, समस्त खंड विकास अधिकारी, समस्त पशु चिकित्सा अधिकारी, उपमुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, उप मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी एवम् कल्याण अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी नगर पालिका नगर पंचायत एवं समिति के सदस्य उपस्थित रहे।

बैठक में भूसा संग्रह, गोचरभूमि, एलएमसी भूमि, शत्रु सम्पत्ति को कब्जामुक्त कराकर चारा उत्पादन करने, गर्मी लू से बचाव की व्यवस्था सुनिश्चित करने पर मुख्य विकास

अधिकारी ने समस्त खंड विकास अधिकारियों एवं अधिशासी अधिकारियों को निर्देशित किया कि उनसे संबंधित गो आश्रय स्थल पर संरक्षित गोवंशों के लिए 6 माह का भूसा सस्ते दर पर क्रय करें। दान एवं क्रय के लक्ष्य का 50% भूसा 30 अप्रैल के भीतर संग्रहित करना सुनिश्चित करें।

मुख्य विकास अधिकारी द्वारा सभी अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समस्त गो आश्रय स्थलों पर गर्मी एवं लू से बचाव के लिए पंखों की व्यवस्था सुनिश्चित करें एवं यथासंभव कूलर और मिस्ट फैन की व्यवस्था तीन दिन के भीतर सुनिश्चित कर फोटोग्राफ उपलब्ध कराएं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी निर्देशित किया सभी गो आश्रय स्थलों पर लगे हुए सीसीटीवी कैमरे सही स्थिति में होने चाहिए, जिससे गो आश्रय स्थल की वास्तविक स्थिति का आकलन जनपदीय कंट्रोल रूम से किया जा सके।

जनपद में निराश्रित गोवंश को संरक्षित करने के लिए जिन गो आश्रय स्थलों पर स्थान उपलब्ध है, वहां पर अतिरिक्त शेड बनवाएं। शासन की प्राथमिकता में सम्मिलित गो आश्रय से सम्बद्ध गोचर, एलएमसी भूमि पर हरा चारा उत्पादन के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है। अतः 2 से 3 दिन के अभी तक उन स्थलों पर हरा चारा बुवाई कर गोवंश को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

जनपद के वृहद गो आश्रय स्थलों का संचालन एनजीओ/ समितियों द्वारा संचालित करने के बारे में भी चर्चा हुई।

डीएम ने जनता दर्शन में सुनी जनसमस्यायें

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार माँदड़ द्वारा कलेक्ट्रेट कार्यालय में जनता दर्शन के दौरान जनसुनवाई की गयी। जन सुनवाई के दौरान विभागों से सम्बंधित प्रार्थना/शिकायती पत्र प्राप्त हुए। जिलाधिकारी द्वारा अधिकारियों को शासन के मंशा अनुरूप त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित कराने के आदेश दिये।

जनता दर्शन के दौरान जिलाधिकारी द्वारा कई शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया एवं जूम के माध्यम से संबंधित अधिकारियों से संपर्क कर उन्हें शिकायतों से अवगत कराते हुए गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के आदेश दिए। जनता के दौरान एडीएम जे अंजुम बी भी उपस्थित रहीं।

श्रमिकों के वेतन और सुविधाओं को लेकर जिलाधिकारी की बैठक

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। रविन्द्र कुमार मांदड़, जिलाधिकारी गाजियाबाद की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट स्थित महात्मा गांधी सभागार कलेक्ट्रेट गाजियाबाद में विभिन्न औद्योगिक संगठनों और कारखाना प्रबंधकों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य कारखानों में श्रमिकों को मिलने वाली सुविधाओं और मजदूरी का भुगतान समय से तथा शासन द्वारा निर्धारित दरों पर सुनिश्चित करना था।

बैठक में जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी कारखाने और वाणिज्यिक प्रतिष्ठान यह सुनिश्चित करें कि शासन द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन दरों के अनुसार श्रमिकों को भुगतान किया जाए। 1 अप्रैल 2026 से लागू नई दरों के अनुसार अकुशल श्रेणी के लिए 13,690 प्रतिमाह, अर्द्धकुशल के लिए 15,059 प्रतिमाह तथा कुशल श्रेणी के लिए 16,868 प्रतिमाह वेतन निर्धारित किया गया है। सभी श्रमिकों

को 7 मई 2026 तक बढ़ी हुई दरों के अनुसार वेतन का भुगतान करना अनिवार्य होगा।

जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिया कि कारखाना या प्रतिष्ठान के प्रबंधक यह सुनिश्चित करें कि उनके अधीन कार्यरत सभी ठेकेदार अपने श्रमिकों को नई दरों पर वेतन दें। वेतन भुगतान के समय नियोक्ता की ओर से एक प्रतिनिधि पर्यवेक्षण के लिए तैनात किया जाएगा।

यदि किसी ठेकेदार के विरुद्ध निर्धारित न्यूनतम वेतन समय पर न देने की शिकायत प्राप्त होती है और उसकी पुष्टि होती है, तो संबंधित ठेकेदार का लाइसेंस निरस्त करने तथा उसे काली सूची में डालने की कार्रवाई की जाएगी।

इसके साथ ही यह भी निर्देश दिया गया कि यदि कोई ठेकेदार या सेवायोजक श्रमिकों से निर्धारित 8 घंटे से अधिक कार्य कराते हैं, तो उन्हें नियमानुसार दोगुनी दर से ओवरटाइम का भुगतान करना होगा। यदि ओवरटाइम का भुगतान संभव न हो तो श्रमिकों से अतिरिक्त कार्य नहीं लिया जाएगा और निर्धारित समय सीमा में ही कार्य कराया जाएगा।

बैठक में उपनिदेशक कारखाना को निर्देश दिए गए कि सभी औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा, मूलभूत सुविधाओं और स्वास्थ्य जांच की व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए तथा कारखाना प्रभाग द्वारा इसका प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराया जाए। उप श्रमायुक्त को श्रम प्रवर्तन अधिकारियों की टीम गठित कर वेतन भुगतान की समयबद्धता की निगरानी करने के निर्देश दिए गए। यदि कोई नियोक्ता शासन के आदेशों का पालन नहीं करता है तो उसके विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित करने के भी निर्देश जारी किए गए।

बैठक में उप श्रमायुक्त अनुराग मिश्र, महाप्रबंधक उद्योग आशुतोष सिंह, उपनिदेशक कारखाना आलोक कुमार सिंह, सहायक श्रमायुक्त कृष्ण अवतार सहित औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि अरुण शर्मा, उपेन्द्र गोयल, राज ढींगरा, राकेश अनेजा, अजीत सिंह, सुशील अरोड़ा, कमल कुमार, चन्दन कुमार मिश्रा और अशोक चौधरी उपस्थित रहे।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड में सी व डी रैंक लाने वाले अधिकारियों पर होगी कार्यवाही: अभिनव गोपाल

गाजियाबाद (स्वास्तिक सहारा)। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल की अध्यक्षता में मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका से सम्बन्धित समीक्षा बैठक आहूत हुई। मुख्यमंत्री डैशबोर्ड जिला अनुश्रवण पुस्तिका की बैठक के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा लक्स के अनुसार कार्य पूर्ण न करने वाले विभागों के अधिकारियों पर नाराजगी व्यक्त की गई। उन्होंने कहा कि सम्बंधित विभागों के विभागाध्यक्ष/ कार्यालयध्यक्ष/ दायित्वधारी पदासीन व्यक्ति द्वारा अपने दायित्वों के प्रति शिथिलता, कोताही, लापरवाही बरतना या समयान्तगर्त कार्य पूर्ण ना किया जाना या कार्यों में गुणवत्ता का अभाव पाया जाता है या शिकायतों को समयान्तगर्त गुणवत्तापूर्ण निस्तारण नहीं किया जाता है या सीएम डैशबोर्ड पुस्तिका में उनकी इन लापरवाहियों के चलते सी या डी रैंक आती है तो उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जायेगी। अतः सभी अधिकारी अपने दायित्वों को पूर्ण ईमानदारी, कर्त्तव्यनिष्ठा के साथ पालन करें।

शासन द्वारा मिले लक्ष्यों को शत—प्रतिशत समयानुसार पूर्ण करें और अपने विभागों से सम्बंधित योजनाओं का अधिक से अधिक प्रचार करते हुए पात्रों को लाभान्वित करें, जिससे आपके कार्यों में उत्कृष्टता आयेगी। बैठक में जिला विकास अधिकारी, डीएसटीओ, कार्यवाहक सीएमओ सहित सम्बंधित विभाग के अधिकारी/ प्रतिनिधिगण उपस्थित रहें।

आरकेजीआईटी में इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट पर एक दिवसीय कॉन्फ्रेंस का सफल आयोजन

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। राज कुमार गोयल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (फामेर्सी), गाज़ियाबाद में वर्ल्ड इंटलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट डे के उपलक्ष्य के अवसर पर एक दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन का शीर्षक था - 'पेटेंट चैलेंजेस इन ड्रग डेवलपमेंटः फ्रॉम डिस्कवरी टू प्रोटेक्शन। यह आयोजन दामोदर एकेडमी ऑफ साइंटिफिक एंड एजुकेशनल रिसर्च (नई दिल्ली), के सहयोग से सम्पन्न हुआ। सम्मेलन में देशभर के प्रतिष्ठित शिक्षाविद्, वैज्ञानिक और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट के विशेषज्ञों ने भाग लिया।

मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सुमन श्रेय सिंह (पूर्व संयुक्त नियंत्रक, पेटेंट एंड डिजाइन, वाणिज्य मंत्रालय, भारत सरकार), सुरीमा मेदिरत्ता (आई सी एम आर , साइंटिस्ट डी एवं आई पी विशेषज्ञ),डॉ. सुषमा तालेगांवकर (एसोसिएट प्रोफेसर, डी पी एस आर यू),सुपूजा कुमार (प्रसिद्ध पेटेंट एजेंट, इनोव इंटेलेक्ट) विषय विशेषज्ञ, उपस्थित रहे और आयोजन समिति का नेतृत्व डॉ. मोनिका सचदेवा (प्रिंसिपल, फामेर्सी डिपार्टमेंट) ने बतौर संयोजक किया, जबकि सुमेघा टोंक ऑर्गेनाइजिंग सेक्रेटरी रहीं। सम्मेलन में दवा विकास प्रक्रिया में पेटेंट से जुड़ी चुनौतियों, अनुसंधान से लेकर संरक्षण तक की यात्रा और इंटेलिक्चुअल प्रॉपर्टी की अहमियत पर गहन चर्चा हुई। यह आयोजन फामेर्सी और इंटेलेक्चुअल प्रॉपर्टी राइट के क्षेत्र में छात्रों, शोधकताओं और उद्योग विशेषज्ञों के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुआ। इस कार्यक्रम में छात्रों ने भी भाग लिया और अपने शोध कार्य को पोस्टर, मॉडल और ओरल प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत किया। इसी अवसर पर जी पैट क्वालीफाई करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को भी सम्मानित किया गया। इस कॉन्फ्रेंस में आर के जी आई टी फॉमेर्सी के छात्रों और फैकल्टी ने प्रभाशाली ढंग से अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। वाइस चेयरमैन अक्षत गोयल ,ग्रुप एडवाइजर और चेयरमैन (डे ज र) लक्ष्मन प्रसाद ,एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर डॉक्टर डी के चौहान ,डायरेक्टर बी सी शर्मा, आर के जी आई टी, एच सी गर्ग चीफ प्रॉक्टर, डॉक्टर विपुल गोयल एच आर हेड आर के जी आई टी, की मौजूदगी और सहयोग ने इस कांफ्रेंस की शोभा बढ़ाई!

आगजनी के दौरान सिविल डिफेंस ने निभाई जिम्मेदारी

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

गाजियाबाद। राष्ट्रीय राजमार्ग 9 (पूर्व में एन एच 24) स्थित उद्योग कुंज औद्योगिक क्षेत्र में कल भीषण आग लग गई थी जिसे अग्निशमन विभाग और उपस्थित लोगों ने समय रहते आग पर काबू पा लिया। कलेक्ट्रेट डिवीजन के डिवीजनल वार्डेन सुधीर कुमार को जैसे ही आगजनी की सूचना मिली उन्होंने तत्काल अग्नि शमन विभाग को सूचना दी और खुद भी आग बुझाने में प्रयास लग गए और पूरा सहयोग किया।

उनसे मिली सूचना के बाद समय रहते अग्नि शमन विभाग टीम तथा स्थानीय लोगों ने प्रयास करके बड़ा हादसा होने से बचा लिया।

सिल्वरलाइन प्रेस्टिज स्कूल भारत का पहला निजी संस्थान बना, जहां गूगल की ग्लोबल लीडरशिप टीम ने किया दौरा

स्वास्तिक सहारा संवाददाता

नई दिल्ली। सिल्वरलाइन प्रेस्टिज स्कूल भारत का पहला निजी शैक्षणिक संस्थान बन गया है, जिसने गूगल फॉर एजुकेशन की उच्चस्तरीय ग्लोबल लीडरशिप टीम की मेजबानी की। यह दौरा ऐसे समय में हुआ है जब भारत एआई-आधारित शिक्षा के क्षेत्र में दुनिया का सबसे बड़ा बाजार बनकर उभर रहा है। वरिष्ठ गूगल अधिकारियों के नेतृत्व में आई इस टीम ने स्कूल में जाकर देखा कि किस तरह आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को बड़े पैमाने पर कक्षाओं में लागू किया जा रहा है, एक ऐसा मॉडल जिसे गूगल वैश्विक स्तर पर अपनाना चाहता है।

पहली बार इतिहास में, एआई का सबसे बड़ा उपयोग शिक्षा के क्षेत्र में हो रहा है और इस बदलाव की अगुवाई भारत कर रहा है। एक हालिया इप्सोस सर्वे के अनुसार, भारत गूगल के जेमिनी प्लेटफॉर्म का शिक्षा के लिए सबसे बड़ा दैनिक उपयोगकर्ता बन चुका है, और करीब 75% भारतीय

मानते हैं कि एआई छात्रों के परिणाम बेहतर कर सकता है। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने लाइव कक्षाओं का अवलोकन किया, जहां एआई टूल्स केवल सहायक नहीं, बल्कि पढ़ाई का अहम हिस्सा बन चुके हैं।

सिल्वरलाइन प्रेस्टिज स्कूल के वाइस चेयरमैन, नमन जैन ने कहा, 'इस दौरे की मेजबानी करने वाला पहला निजी स्कूल बनना इस बात का प्रमाण है कि भारत अब शिक्षा के क्षेत्र में वैश्विक ट्रेंड्स को फॉलो नहीं कर रहा, बल्कि उन्हें तय कर रहा है। हम दिखा रहे हैं कि एआई समझ को बेहतर बना सकता है, बिना क्रिटिकल थिंकिंग से समझौता किए। यही मॉडल गूगल वैश्विक स्तर पर लागू करना चाहता है। हम गूगल के विजन और भारत की शैक्षणिक महत्वाकांक्षाओं को आगे बढ़ा रहे हैं, यह साबित करते हुए कि बड़े पैमाने पर एआई का इस्तेमाल यहीं, अभी हो रहा है।'

गूगल ने गूगल.ऑर्ग के माध्यम से वाधवानी एआई को 85 करोड़ रुपये की सहायता देने की घोषणा की है, जिसका लक्ष्य 2027 तक 7.5 करोड़ छात्रों और 18 लाख शिक्षकों तक पहुंचना है। इसके अलावा, कंपनी स्किल डेवलपमेंट और एंटरप्रेन्योरशिप मंत्रालय के साथ मिलकर भारत का पहला एआई-समर्थित स्टेट यूनिवर्सिटी बनाने पर भी काम कर रही है। पिछले एक महीने में ही भारतीय उपयोगकताओं ने गूगल के नोटबुकएलएम प्लेटफॉर्म पर 30 लाख से अधिक लर्निंग आउटपुट तैयार किए हैं, जिनमें क्विज, फ्लैशकार्ड और स्टडी समरी शामिल हैं। गूगल के शिक्षा टूल्स अब भारतीय भाषाओं में भी उपलब्ध हैं, जिससे अंग्रेजी भाषा की बाधा काफी हद तक कम हो रही है।

इस दौरे के दौरान, वाइस चेयरमैन नमन जैन ने स्कूल की एजुकेशनल टेक्नोलॉजी स्ट्रैटेजी प्रस्तुत की और बताया कि संस्थान किस तरह गूगल के वैश्विक विजन और भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों को आगे बढ़ा रहा है। प्रतिनिधिमंडल ने शिक्षकों के साथ गूगल के डिजिटल समाधानों के उपयोग के वास्तविक अनुभवों पर विस्तार से चर्चा की। कार्यक्रम का समापन एक इंटरएक्टिव प्रश्नोत्तर सत्र के साथ हुआ, जिसमें छात्रों और शिक्षकों ने करियर मार्गदर्शन से लेकर इंडस्ट्री ट्रेंड्स तक कई सवाल पूछे।

हर घर नल जल योजना की जिलाधिकरी ने की बैठक

मई माह तक हर घर में सुनिश्चित हो शुद्ध पेयजल आपूर्ति, लापरवाही पर होगी सख्त कार्रवाई: जिलाधिकारी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

- 10 दिवस में हर घर से नल जल योजना में 364 राजस्व गावों में पेयजल आपूर्ति सम्बन्धित समस्यायें की जाये दुरूस्त, समस्या का निराकरण न होने पर सम्बन्धित के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की जायेगी कार्यवाही: जिलाधिकारी

नोएडा। जनपद में पेयजल आपूर्ति व्यवस्था को सुदृढ़ एवं शिकायतमुक्त बनाने के लिए जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में हर घर नल जल योजना की समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि किसी भी स्तर से पेयजल संबंधी शिकायत प्राप्त नहीं होनी चाहिए। जहां कहीं भी पेयजल आपूर्ति में समस्या हो, उसे तत्काल प्राथमिकता के आधार पर ठीक किया जाए। बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने कहा कि आगामी भीषण गर्मी एवं मई माह को ध्यान में रखते हुए सभी ग्रामों एवं नगरीय क्षेत्रों में निर्बाध, नियमित एवं गुणवत्तापूर्ण पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित की जाये, पेयजल आपूर्ति केवल औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि प्रत्येक घर तक वास्तविक रूप से पानी पहुंचना सुनिश्चित किया जाये। बैठक के दौरान जिलाधिकारी अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देश देते हुए कहा कि यदि किसी माध्यम से पेयजल आपूर्ति में लापरवाही की शिकायत प्राप्त होती है, तो संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों की जिम्मेदारी तय करते हुए कड़ी कार्रवाई की जाएगी हर घर नल योजना के अन्तर्गत जिन 364 राजस्व गांवों में पेयजल की आपूर्ति हेतु जल जीवन मिशन द्वारा सुची उपलब्ध करायी गयी है उन सभी राजस्व गावों में हर घर नल जल योजना के तहत जल आपूर्ति सुनिश्चित की जाये यदि किसी प्रकार की समस्या होतो उसका निराकरण 10 दिवस के अन्दर निराकरण कर लिया जाये, निराकरण न किये जाने के स्थिति में सम्बन्धित दोषि के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की कार्यवाही की जायेगी, 364 राजस्व गावों में हर घर नल जल योजना के माध्यम से जल आपूर्ति किये जाने की सूची प्राप्त हुई है उन राजस्व गांवों टैंकर के माध्यम से जल आपूर्ति न की जाये, यदि टैंकर के माध्यम स्थिति उत्पन्न होती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। बैठक के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि पेयजल आपूर्ति समस्या के निराकरण हेतु जनपद स्तर व ब्लॉक स्तर पर जो कन्ट्रोल रूम बनाये गये पूरी तरह से शक्रिय रखा जाये पेयजल आपूर्ति से सम्बन्धित कोई शिकायत प्राप्त होती है तो उसका तत्काल निराकरण किया जाये, बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे क्षेत्रवार सतत निगरानी बनाए रखें तथा पाइपलाइन, मोटर, पंप आदि तकनीकी समस्याओं का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करें साथ ही कार्यों की नियमित समीक्षा कर प्रगति से अवगत कराते रहें। इस मौके पर अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) रोहित यादव, जिला पंचायत राज अधिकारी श्रीमती नमिता शरण, अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) सहित संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

दीवार से टकराई अर्टिगा कार, 6 बाराती घायल; चालक गंभीर, ट्रामा सेंटर रेफर

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। लालगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार शाम एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मिजार्पुरझ रीवा राष्ट्रीय राजमार्ग 135 पर बेलन बरौंधा गांव के पास करीब चार बजे बारातियों को लेकर जा रही अर्टिगा कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे एक मकान की दीवार से जा टकराई। हादसे में कार सवार 6 लोग घायल हो गए, जिनमें चालक की हालत गंभीर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, भदोही जनपद से बारातियों को लेकर कार मध्य प्रदेश के सीधी जनपद की ओर जा रही थी। जैसे ही वाहन बरौंधा चौकी क्षेत्र के परसिया गोकुल गांव के पास पहुंचा, चालक का वाहन से नियंत्रण हट गया और कार सीधे दीवार से टकरा गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार में सवार सभी लोग घायल हो गए। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और आसपास के ग्रामीण भी बड़ी संख्या में एकत्र हो गए। सूचना मिलते ही बरौंधा चौकी इंचार्ज संजय कुमार पुलिस टीम के साथ मौके पर पहुंचे और तत्काल 108 एंबुलेंस सेवा को बुलाया। एंबुलेंस से सभी घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लालगंज पहुंचाया गया, जहां प्राथमिक उपचार किया गया। चिकित्सकों ने गंभीर रूप से घायल 25 वर्षीय चालक हरिकेश राय को बेहतर इलाज के लिए ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया।

वहीं अन्य घायलों में 30 वर्षीय शुभम (चंदौली), 28 वर्षीय दिलीप (भदोही) और 22 वर्षीय कृष्णा राय का उपचार स्थानीय स्तर पर जारी है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है और हादसे के कारणों का पता लगाया जा रहा है। साथ ही क्षेत्र में तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण के लिए सख्ती बढ़ाने की बात भी कही जा रही है।

सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया सुशील जी महाराज का जन्मदिन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। सुशील जी महाराज का जन्मदिन सद्भावना दिवस के रूप में मनाया गया। इस अवसर पर देश विदेश से 40 से ज्यादा संतों का समागम हुआ। सभी संतो ने श्रद्धेय स्वामी जी के जन्म दिवस पर अपनी शुभकामना एवं बधाई प्रेषित की। संतों ने अपने उद्बोधन में समाज को जोड़ने वाले विषय पर दृढ़ता से अपने विचार व्यक्त किये। इस अवसर पर अम्मुकरे चैरिटेबल ट्रस्ट ने खाद्य पदार्थ वितरित किया। इस अवसर पर सत्य गोस्वामी सुशील जी महाराज, श्री कल्कि पीठाधीश्वर, जगद्गुरु आचार्य प्रमोद कृष्णम, संस्थापक मोहनजी फाउंडेशन ब्रह्म ऋषि डॉ मोहनजी जगद्गुरु, स्वामी सतीशचार्य जी महराज, इमाम डॉ. इमाम उमर अहमद, इकबाल सिंह, परमजीत सिंह, आचार्य सुशील मुनि, आचार्य विवेक मुनि, आचार्य यशी, हाजी सैयद सलमान, महामंडलेश्वर धर्म देव जी महाराज, श्री धार्मिक रामलीला कमेटी अध्यक्षआनंद भाटी, मीडिया प्रभारी अतुल आनंद, उपाध्यक्ष फिरे प्रधान आदि उपस्थित रहे।

भाजपा जिला कार्यालय पर हुआ जन आक्रोश महिला सम्मेलन का आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी नोएडा महानगर द्वारा जिला अध्यक्ष महेश चौहान के नेतृत्व में सेक्टर-116 स्थित जिला कार्यालय पर जन आक्रोश महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की सहभागिता रही और पूरा सभागार महिलाओं के सम्मान में भाजपा मैदान में एवं भारत माता की जय के नारों से गुंजायमान हो उठा। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह, विशिष्ट अतिथि के रूप में पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष बिमला बॉथम एवं पूर्व महिला आयोग उपाध्यक्ष सुषमा सिंह उपस्थित रहीं।कार्यक्रम में अभियान संयोजक महेश अवाना, प्रज्ञा पाठक, कार्यक्रम संयोजक डिंपल आनंद तथा कार्यक्रम का संचालन शारदा चतुर्वेदी ने किया। महिला आयोग अध्यक्ष बबीता सिंह ने महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में महिलाओं को आत्मनिर्भर, स्वावलंबी और सुरक्षित बनाने के लिए अनेक ऐतिहासिक योजनाएं लागू की गई हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के तहत गैस कनेक्शन, प्रधानमंत्री आवास योजना के माध्यम से घर, स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत शौचालय, हर घर नल से जल, मुफ्त बिजली कनेक्शन, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत प्रति व्यक्ति 5 किलो राशन, आंगनवाड़ी सेवाएं, स्वयं सहायता समूह और लखपति दीदी योजना, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनसे महिलाओं का जीवन स्तर बदला है और उन्हें सम्मान मिला है। उन्होंने कहा कि बेटियां पढ़ती हैं तो पीढ़ियां पढ़ती हैं उन्होंने कहा कि बेटी दो घरों का चिराग होती है। उन्होंने उत्तर प्रदेश में आज महिलाएं निर्भीक होकर हर कार्य में मजबूती के साथ आगे बढ़ रहीं हैं। पूर्व महिला आयोग अध्यक्ष बिमला बॉथम ने कहा कि भाजपा सरकार ने महिलाओं को केवल वादों तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्हें वास्तविक अधिकार और सम्मान दिया है। उन्होंने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं और सरकार की योजनाएं उनके सशक्तिकरण का मजबूत आधार बनी हैं। उन्होंने महिलाओं से अपील की कि वे समाज और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। पूर्व महिला आयोग उपाध्यक्ष सुषमा सिंह ने कहा कि केंद्र और प्रदेश सरकार की योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में व्यापक परिवर्तन लाया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में महिला सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी गई है और अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण हुआ है। जिला अध्यक्ष महेश चौहान ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में महिला सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन सुनिश्चित हुआ है। उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार की योजनाओं ने महिलाओं के जीवन में ऐतिहासिक परिवर्तन किया है। कार्यक्रम में सुचित्रा पाठक कक्कड़, पूनम सिंह, गिरिजा सिंह, मीनाक्षी चौहान, पुष्पा रावत, ज्योति श्रीवास्तव, दीपाली दीक्षित, राजश्री गुप्ता, रुचि चौहान, ऊषा थापा, सायमा चौधरी, आरती, रेनू बाला, अन्नू मल्होत्रा, ऊषा किशोर, सरिता सिंह सहित अनेक महिलाएं उपस्थित रहीं।

एसडीएम नेहा मिश्रा से मिलकर दिव्यांग अमरजीत ने जताया आभार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गोण्डा। परसपुर विकासखण्ड के ग्राम पंचायत नन्दौर के नौशहरा निवासी दिव्यांग अमरजीत मंगलवार को अपनी माता राजलक्ष्मी के साथ उपजिलाधिकारी नेहा मिश्रा से उनके कार्यालय में मिल कर मोटराइज्ड ट्राई साइकिल दिलाने के लिए आभार जताया। अमरजीत ने बताया कि वह अपनी माता राजलक्ष्मी के साथ एसडीएम से मिलने आये है। उन्होंने बताया कि एसडीएम ने मुझे सहारा दिला दिया मैं कई वर्षों से लगातार अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों के यहां ट्राई साइकिल के लिए चक्कर काट रहा था हर जगह आश्वसन के सिवाय कुछ नही मिला। एसडीएम को जब पता चला कि कोई दिव्यांग बाहर उनसे मिलने की प्रतीक्षा में बाहर बैठा है तो तत्काल अपने ऑफिस से बाहर आकर अमरजीत से मिलकर हालचाल जाना उन्होंने पूछा कि अब तो कोई दिक्कत नही हो रही आपको आने जाने में । अमरजीत अपने साथ फूलों का माला लाये थे जिसे देकर एसडीएम का आभार जताया। एसडीएम ने कहा ये तो मेरा कर्तव्य है। एसडीएम ने अमरजीत से राशन के बारे में पूछा जिसपर अमरजीत ने बताया कि राशन नही मिलता है तो एसडीएम ने तुरंत सम्बंधित अधिकारी को बुलाकर अमरजीत का नाम नियमानुसार राशनकार्ड के लिए निर्देशित किया। अमरजीत ने गैस कनेक्शन न होने की बात कही जिस पर एसडीएम ने अधिकारियों को निर्देशित किया। अमरजीत की मां राजलक्ष्मी ने एसडीएम का आभार जताते हुए कहा कि आप डूबते का सहारा बन गयी। एसडीएम ने कहा कि पसका मेला की तैयारियों के निरीक्षण के दौरान अमरजीत से मुलाकात हुई थी जिस पर अमरजीत ने ट्राई साइकिल दिलाने की मांग की थी। एलिम्को कंपनी से बात करने व दिव्यांगता प्रमाणपत्र उपलब्ध कराने के बाद ट्राई साइकिल मिल गयी। एसडीएम ने अमरजीत की मां से कहा कि अब छोटे मोटे सामान अमरजीत से मंगाया कीजियेगा। एसडीएम ने अमरजीत व उनकी माता राजलक्ष्मी को चाय नाश्ता कराने के बाद घर भेजा।

उद्यमियों को निर्माण नहीं शुरू करने दे रहे स्थानीय लोग

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा। यमुना सिटी के सेक्टर-29 में बने औद्योगिक पार्कों 11 उद्यमियों ने सीईओ राकेश कुमार सिंह से शिकायत की है कि स्थानीय लोग और काश्तकार वहां उनको निर्माण ही नहीं करने दे रहे हैं। अब सीईओ ने एसीईओ राजेश कुमार को इन शिकायतों का निस्तारण प्राथमिकता पर कराने के लिए कहा है। उद्यमियों का कहना है कि रोजाना उनके सामने नई समस्या खड़ी हो जाती है। निर्माण शुरू करते ही खुद को काश्तकार बताने वाले स्थानीय लोग विवाद खड़ा कर देते हैं। उनका कहना होता है कि उनका प्रतिकर या अन्य विवाद यीडा के साथ चल रहा है।सीईओ का कहना है कि एसीईओ राजेश कुमार के नेतृत्व में टीम उद्यमियों की शिकायत दूर करेगी। यह टीम गठित कर दी गई है। मंगलवार को एसीईओ ने टीम के साथ सेक्टर-29 का दौरा किया।

श्रीमद्भागवत कथा मे चौथे दिन हुआ कृष्ण जन्म का वर्णन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सेक्टर 82 ईडब्ल्यूएस पॉकेट 7 में स्वामी रूपानंद ब्रह्मचारी जी महाराज के सानिध्य में आयोजित श्रीमद्भागवत कथा के चौथे दिन कथा व्यास निलांशु दास जी महाराज ने कृष्ण जन्म की कथा का वर्णन करते हुए कहा कि मथुरा में भोजवंशी उग्रसेन का राज्य था। उनका बेटा कंस बहुत ही क्रूर था उसने उग्रसेन को हटाकर खुद राजा बन गया। कंस अपनी बहन देवकी से बेहद प्यार करता था। देवकी की शादी वसुदेव से हुई। जब कंस देवकी को विदा कर रहा था तभी आकाशवाणी हुई कि जिस बहन को तू इतना प्यार करता है उसी का आठवां लाल तेरा काल होगा। कंस ने देवकी को मारने के लिए तलवार निकाल ली। वसुदेव ने कंस को समझाया कि आठवां पुत्र जब पैदा होगा तो आपको सौंप दूंगा। कंस मान गया और उसने देवकी वसुदेव को कारागार में बंद कर दिया। देवकी के जब भी संतान पैदा होती कंस उसको मार देता। जब आठवीं संतान के रूप में भगवान कृष्ण प्रकट हुए तो कारागार के ताले टूट गए और देवकी वसुदेव की बेड़ियां टूट गईं। कंस से बचाने के लिए वसुदेव ने आधी रात को कृष्ण को लेकर यमुना जी पार की। नंद बाबा और यशोदा जब सो रहे थे उनके पास ही कृष्ण को रखकर और उनकी नवजात कन्या को लेकर मथुरा आ गए जब कंस को पता चलता है कि देवकी ने आठवीं संतान को जन्म दिया है उसने कन्या को पटककर मारना चाहा लेकिन योगमाया रूपी कन्या ने आकाश मार्ग में जाते समय कहा कि तुझे मारने वाला पैदा हो गया है। इधर नंद बाबा और यशोदा ने बाल कृष्ण को देखा और धूमधाम से जन्मदिन मनाया। कृष्ण जन्म पर भागवत पंडाल को गुब्बारों से सजाया गया। इस दौरान भक्तजन कृष्ण जन्मोत्सव पर जमकर थिरके। आरडब्ल्यूए अध्यक्ष राघवेंद्र दुबे ने बताया कि 29 अप्रैल को भगवान कृष्ण की बाल लीलाओं एवं गोवर्धन पूजा आदि कथाओं का वर्णन व्यास जी द्वारा किया जाएगा। कथा प्रतिदिन सायं 6 बजे से रात्रि 9 बजे तक होती है। इस मौके पर संयोजक संजीव ढाली, देवमणि शुक्ल, रमेश शर्मा, गोरे लाल, रवि राघव, संजय पांडेय, सर्वेश तिवारी, विष्णु शर्मा, नीरज शर्मा, टोनी कपूर, रमेश वर्मा, निर्मल बिस्वास, गोपाल पाल, असीम मजूमदार, संतोष बिस्वास, मखन बसु, बाबू सरकार, कनाई लाल, असित बाघ, गोविंद बिस्वास, संजय हालदार, तुषार, प्रेम, टोनी ढाली, सुखदेव, शुभमय, विश्वजीत सरकार, अनिमेष मंडल सहित भारी संख्या में सेक्टर वासी मौजूद रहे।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवती ने फांसी लगाकर दी जान

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। ड्रमंडगंज थाना क्षेत्र के नौगवां ग्राम पंचायत अंतर्गत अमहा गांव में मंगलवार सुबह एक युवती ने संदिग्ध परिस्थितियों में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। घटना से गांव में सनसनी फैल गई, वहीं परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

जानकारी के अनुसार, अमहा गांव निवासी स्वर्गीय सुखराज कोल की 20 वर्षीय पुत्री सुमन ने अपने कच्चे मकान के बंडेर में प्लास्टिक की रस्सी के सहारे फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। सुबह जब परिजनों की नजर उस पर पड़ी तो घर में चीख-पुकार मच गई और आसपास के लोग भी मौके पर जुट गए। सूचना मिलते ही ड्रमंडगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची। एसआई विनोद कुमार सिंह ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आवश्यक जांच-पड़ताल की और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उन्होंने बताया कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं की जांच की जा रही है। बताया गया कि युवती के माता-पिता का पहले ही निधन हो चुका है और उसकी देखभाल उसके चाचा देवनारायण करते थे। सुमन तीन बहनों में दूसरे नंबर पर थी। परिजनों के अनुसार, आगामी 13 मई को प्रयागराज जनपद के बरमपुर दिघिया गांव में उसकी शादी तय थी, जिससे परिवार में तैयारियां भी चल रही थीं। ऐसे में शादी से कुछ दिन पहले युवती द्वारा उठाए गए इस कदम से हर कोई स्तब्ध है। फिलहाल आत्महत्या के पीछे के कारणों का पता नहीं चल सका है। थानाध्यक्ष भारत सुमन ने बताया कि मृतका के चाचा की तहरीर के आधार पर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और मामले की गहन जांच की जा रही है।

मरीजों की सुविधाओं को लेकर सक्रिय हुई शालिनी सिंह, अस्पतालों में किया निरीक्षण

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। आज युवा क्रांति सेना की मुख्य संरक्षक शालिनी सिंह के नेतृत्व में अध्यक्ष अविनाश सिंह, सलाहकार दीपक शंखधर एवं उपाध्यक्ष अंकुर शर्मा ने सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल तथा सेक्टर-24 स्थित ईएसआईसी अस्पताल का निरीक्षण किया। इस दौरान अस्पतालों में भर्ती मरीजों एवं उनके परिजनों से संवाद कर समस्याओं को गंभीरता से समझा गया। निरीक्षण के दौरान यह सामने आया कि ईएसआईसी अस्पताल में सीटी स्कैन एवं एमआरआई जैसी महत्वपूर्ण जांचों के लिए मरीजों को महीनों तक प्रतीक्षा करनी पड़ रही है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार नोएडा में लगभग 11 लाख श्रमिक ईएसआईसी से जुड़े हैं और हर माह उनका अंशदान कटता है, लेकिन सुविधाएं अत्यंत सीमित हैं। वर्तमान में केवल एक सीटी स्कैन और एक एमआरआई मशीन पर इतनी बड़ी आबादी निर्भर है, जो चिंताजनक स्थिति को दर्शाता है। युवा क्रांति सेना द्वारा ईएसआईसी अस्पताल में मेडिकल शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों के लिए दो स्मार्ट बोर्ड भेंट स्वरूप प्रदान किए गए, जिससे उनकी पढ़ाई में तकनीकी सहयोग मिल सके। दोनों अस्पतालों में एसी एवं वाटर कूलर जैसी मूलभूत सुविधाओं के अभाव में मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। संगठन द्वारा आश्वस्त किया गया है कि इन सुविधाओं को जल्द से जल्द उपलब्ध कराने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

इसके अतिरिक्त, ईएसआईसी से निजी अस्पतालों में रेफर करने की प्रक्रिया में भी गंभीर समस्याएं सामने आई हैं, जिसको लेकर शीघ्र ही डीजी ईएसआईसी से वार्ता की जाएगी। अस्पताल परिसर में लगे स्प्रिंकलर सिस्टम की पाइपलाइन कई स्थानों पर जर्जर अवस्था में पाई गई, जो किसी भी समय बड़ी दुर्घटना का कारण बन सकती है। इस विषय में भी त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, जिला अस्पताल में एमआरआई मशीन की स्थापना हेतु शासन स्तर पर बातचीत की जाएगी, ताकि मरीजों को समय पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हो सके। शालिनी सिंह ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं किसी भी समाज की बुनियादी आवश्यकता होती हैं। श्रमिकों एवं आम नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध इलाज मिलना उनका अधिकार है।

कनैल के फूल का जहरीला बीज खाने से महिला की हालत गंभीर

हलिया/मिजार्पुर (स्वास्तिक सहारा)। हलिया थाना क्षेत्र के गौरवा परसिया गांव निवासी एक महिला द्वारा बीते सोमवार की देर रात को अज्ञात करण वश कनैल के फूल के जहरीले बीज का सेवन कर लिया जिससे महिला अचेत हो गई महिला की गंभीर स्थिति की जानकारी होने पर परिजनो ने महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर गए थाना क्षेत्र के गौरवा परसिया गांव निवासी रोहित की 28 वर्षीया पत्नी सरोज देवी अज्ञात कारण वश देर रात को कनैल के फुल के जहरीले बीज को खां लिया जिससे महिला की हालत गंभीर हो गई जानकारी होने पर परिजन महिला को अचेतावस्था मे प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया लेकर गए जहां पर मौजूद प्रभारी चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर अवधेश कुमार व डॉक्टर आलोक सिंह यादव द्वारा महिला का उपचार किया जा रहा है इस संबंध में प्रभारी चिकित्सा अधिकारी अवधेश कुमार ने बताया कि बीते देर रात को महिला के परिजनों द्वारा लाया गया था जिनके द्वारा बताया कि महिला कनैल के फूल के बीज को खा लिया है जिससे महिला अचेत हो गई है महिला को ऑब्जर्वेशन में भर्ती करते हुए उपचार किया जा रहा है महिला की स्थिति सामान्य है।

सम्पादकीय

ट्रंप पर हमला

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ट ट्रंप पर हमले का प्रयास केवल उनकी सुरक्षा व्यवस्था में मौजूद कमियों को उजागर नहीं करता, बल्कि अमेरिकी समाज में बढ़ती खतरनाक बंदूक संस्कृति पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करता है। राजधानी वॉशिंगटन के वॉशिंगटन हिलटन में आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रपति के साथ उपराष्ट्रपति जेडी वेंस तथा मंत्रिपरिषद के कुछ सदस्यों को भी निशाना बनाए जाने की कोशिश की गई। यह घटना इसलिए भी अत्यंत चिंताजनक है क्योंकि उस समय सभागार में लगभग 2600 अतिथि उपस्थित थे, जो एक बड़ी त्रासदी से बाल-बाल बच गए। यह अवसर व्हाइट हाउस को कवर करने वाले संवाददाताओं के वार्षिक रात्रिभोज का था, जिसे अमेरिकी लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और सत्ता-माध्यमों के संबंधों का प्रतीक माना जाता है। ऐसे आयोजनों में सुरक्षा के अत्यंत कड़े प्रबंध होते हैं, फिर भी एक हमलावर का दो सुरक्षा घेरों को पार कर लेना व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाता है। हमलावर ने अपने परिवार को भेजे संदेश में राष्ट्रपति ट्रंप को 'गद्दार' और 'बलात्कारी' कहा था, जिससे उसके भीतर पनप रही तीव्र घृणा और आक्रोश का संकेत मिलता है। यदि यह भावना अमेरिकी समाज के एक हिस्से की मानसिक स्थिति को दशार्ती है, तो यह स्थिति राष्ट्रपति और देश दोनों के लिए चिंता का विषय है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि पर हिंसक हमला या ऐसी किसी साजिश की कड़ी निंदा की जानी चाहिए। यह उम्मीद की जानी चाहिए कि कानून ऐसे अपराधियों को कठोर दंड देगा। अमेरिका के इतिहास में अब्राहम लिंकन से जॉन एफ. कैनेडी तक की हत्या हो चुकी है। इसी होटल में 30 मार्च 1981 को तत्कालीन राष्ट्रपति रोनाल्ड रेगन पर भी गोलीबारी की गई थी। हालांकि वे बच गए थे। रीगन से लेकर ट्रंप तक कई ऐसे अवसर आए हैं जब हमलों के बावजूद सुरक्षा एजेंसियों की सतर्कता से राष्ट्रपति सुरक्षित बच गए। राष्ट्रपति बनने से पहले और बाद में ट्रंप पर कई बार हमले का प्रयास हो चुका है। एक घटना में हमलावर की गोली उनके कान के पास से गुजर गई थी। यह तथ्य इस बात की ओर संकेत करता है कि दुनिया के सबसे पुराने और शक्तिशाली लोकतंत्रों में से एक में भी घृणा और हिंसा का स्तर चिंताजनक रूप से बढ़ रहा है। ऐसी प्रवृत्तियों को किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसलिए आवश्यक है कि अमेरिकी प्रशासन इस पर गंभीरता से विचार करे और व्यवस्था में आवश्यक सुधार करे। अमेरिका में बंदूकें इतनी आसानी से उपलब्ध नहीं होनी चाहिए जैसे कोई सामान्य वस्तु बाजार में मिल जाती है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि हमलावर कोई अशिक्षित व्यक्ति या पेशेवर अपराधी नहीं था, बल्कि एक प्रशिक्षित अभियंता था और एक शिक्षण संस्थान में अध्यापक के रूप में कार्य करता था।

दैनिक राशिफल

मेष: चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, आ।

निवेश के सुखद परिणाम आएंगे। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। किसी बड़ी बाधा के दूर होने से प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ: इ, उ, ए, ओ, वा, वी, वु, वे, वो।

कीमती वस्तुएं संभालकर रखें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। व्यस्तता रहेगी। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे।

मिथुन: का, की, कु, घ, ड:, छ, के, को, हा।

व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। डूबी हुई रकम प्राप्त हो सकती है। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ रहेगा।

कर्क: ही, हे, हु, हो, डा, डी, डू, डे, डो।

कारोबार में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। नए व्यापारिक अनुबंध होंगे। धनार्जन होगा।

सिंह: मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे।

कोर्ट व कचहरी के कार्य अनुकूल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। परिवार के साथ समय अच्छा व्यतीत होगा।

कन्या: टो, पा, पी, पू, ष, ण:, ठ, पे, पो।

धनलाभ के अवसर प्राप्त होंगे। आय में निश्चितता होगी। ऐश्वर्य पर व्यय होगा।

तुला: रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, ते।

जीवनसाथी से सहयोग प्राप्त होगा। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार में वृद्धि होगी। निवेशादि शुभ रहेंगे।

वृश्चिक: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

आय में वृद्धि होगी। भूमि व भवन संबंधी योजना बनेगी। कोई बड़ा लाभ हो सकता है। रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे।

धनु: तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू।

भागदौड़ रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा।

मकर: भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, गा, गी।

आज लेन-देन में विशेष सावधानी रखें। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। दु:खद समाचार मिल सकता है।

कुंभ: गू, गे, गो, सो, सी, सू, स, से, दा।

पराक्रम बढ़ेगा। आय में वृद्धि होगी। पराक्रम बढ़ेगा। किसी बड़े काम को करने में रुझान रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन: दी, दू, थ, झ, ञ, यं, दे, दो, चा, ची।

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। विवेक से कार्य करें। विरोधी सक्रिय रहेंगे। मित्रों का सहयोग प्राप्त होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक पुरुषोत्तम पाण्डेय द्वारा मौनेक्स ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस, बी-12, निकट एमएमजी अस्पताल, शंभू दयाल काम्पलेक्स, जीटी रोड, गाजियाबाद से मुद्रित एवं 498 प्रथम तल, मैत्री लेन, सैक्टर-5, वैशाली गाजियाबाद से प्रकाशित।

सम्पादक : विजय प्रकाश पाठक
Mob : 9910460742
website : www.swastiksahara.com
E-mail : swastiksaharanews@gmail.com

विधि सलाहकार
टेट्रा लीगल एलएलपी, लॉ फर्म, नई दिल्ली
मो. नं.: +91 99990 74369
ओमीलाल वर्मा (एडवोकेट)
मो. नं.: 98109 03664

City Office:
11, Maliwara, Near Pyarelal Park, Vasant Road, Ghaziabad-201001Phone : 0120-4252839

भारत और न्यूजीलैंड व्यापार समझौता ने खोले बड़ी संख्या में नौकरी और निवेश के रास्ते

नीरज कुमार दुबे

भारत और न्यूजीलैंड के बीच लंबे समय से प्रतीक्षित मुक्त व्यापार समझौता आखिरकार आज नई दिल्ली में हस्ताक्षरित हो गया, जिसे दोनों देशों के आर्थिक संबंधों में एक ऐतिहासिक कदम माना जा रहा है। इस समझौते पर भारत के वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री टॉड मकले की उपस्थिति में हस्ताक्षर किए गए। इस अवसर पर न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने इसे एक पीढ़ी में एक बार होने वाला महत्वपूर्ण समझौता बताया, जो वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार, निवेश प्रवाह और श्रम गतिशीलता के लिए नए रास्ते खोलेगा।

हम आपको बता दें कि यह समझौता केवल व्यापार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निवेश, तकनीकी सहयोग और रोजगार के अवसरों को भी बढ़ावा देगा। भारत सरकार ने इस अवसर को वैश्विक व्यापार के नए द्वार के रूप में प्रस्तुत किया है। पीयूष गोयल ने कहा कि भारत में व्यापार करना आसान बनाया जा रहा है, नियमों को सरल किया जा रहा है और निवेश के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया जा रहा है ताकि विदेशी कंपनियां यहां आकर लाभ कमा सकें और वैश्विक स्तर पर विस्तार कर सकें।

यह समझौता विशेष रूप से इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इसके तहत भारत को न्यूजीलैंड के बाजार में अपने सभी 8284 निर्यात उत्पादों के लिए शत प्रतिशत शुल्क मुक्त पहुंच मिल जाएगी। पहले भारतीय उत्पादों पर औसतन 2.2 प्रतिशत तक शुल्क लगता था और कुछ क्षेत्रों जैसे वस्त्र और चमड़ा उद्योग पर यह शुल्क 10 प्रतिशत तक पहुंच जाता था। अब इन सभी शुल्कों को समाप्त कर दिया गया है, जिससे भारतीय उत्पाद अधिक प्रतिस्पर्धी बनेंगे।

इसका सीधा लाभ वस्त्र, चमड़ा, इंजीनियरिंग सामान, रसायन, इलेक्ट्रॉनिक और खाद्य उत्पादों जैसे क्षेत्रों को मिलेगा। विशेष रूप से आगरा का चमड़ा उद्योग, जो लंबे समय से वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धा का सामना कर रहा था, अब नई संभावनाओं के साथ उभर सकेगा। औषधि क्षेत्र को भी बड़ी राहत मिली है क्योंकि न्यूजीलैंड अब वैश्विक नियामकों की जांच रिपोर्ट को स्वीकार करेगा, जिससे बार बार जांच की आवश्यकता नहीं रहेगी और लागत कम होगी।

दूसरी ओर, न्यूजीलैंड को भी इस समझौते से बड़ा लाभ मिलेगा। भारत ने अपने लगभग 70 प्रतिशत शुल्क लाइनों को न्यूजीलैंड के लिए खोल दिया है, जिससे वहां के निर्यातकों को ऊन, लकड़ी, कोयला, शराब, एवोकाडो और ब्लूबेरी जैसे उत्पादों में अवसर मिलेगा। इसके साथ ही कृषि क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ेगा, जहां कीवी, सेब और शहद उत्पादन में तकनीकी सहायता प्रदान की जाएगी। हालांकि भारत ने अपने संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा है। लगभग 30 प्रतिशत शुल्क लाइनों को समझौते से बाहर रखा गया है। इनमें दुग्ध उत्पाद, खाद्य तेल, चीनी, प्याज, दालें, रत्न और आभूषण तथा धातु क्षेत्र शामिल हैं। इस संतुलन को विशेषज्ञों ने भारत की रणनीतिक सफलता बताया है, जिससे घरेलू उद्योगों को नुकसान नहीं होगा।

हम आपको यह भी बता दें कि इस समझौते का एक महत्वपूर्ण पहलू पेशेवरों के लिए नए अवसर खोलना है। न्यूजीलैंड हर वर्ष 1667 अस्थायी कार्य वीजा देगा और एक समय में अधिकतम 5000 भारतीय पेशेवर वहां काम कर सकेंगे। इससे सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य सेवा, इंजीनियरिंग और शिक्षा क्षेत्रों के लोगों को विशेष लाभ मिलेगा। निवेश के क्षेत्र में भी यह समझौता अत्यंत महत्वपूर्ण है। न्यूजीलैंड ने अगले 15 वर्षों में भारत में लगभग 20 अरब डॉलर निवेश करने की प्रतिबद्धता जताई है। यह निवेश अवसंरचना, नवीकरणीय ऊर्जा, कृषि और प्रौद्योगिकी जैसे क्षेत्रों में किया जाएगा। इससे भारत में रोजगार सृजन और आर्थिक विकास को गति मिलेगी।

हम आपको बता दें कि यह समझौता 20 अध्यायों में विभाजित है, जिनमें वस्तु व्यापार, सेवाएं, सीमा शुल्क प्रक्रिया, तकनीकी बाधाएं, विवाद समाधान और कानूनी ढांचा जैसे महत्वपूर्ण पहलू शामिल हैं। सेवाओं के क्षेत्र में भारत को सूचना प्रौद्योगिकी, वित्त, पर्यटन, शिक्षा और निर्माण जैसे क्षेत्रों में बेहतर बाजार पहुंच मिली है। देखा जाये तो भारत और न्यूजीलैंड के बीच वर्तमान में द्विपक्षीय व्यापार लगभग 1.3 अरब डॉलर के आसपास है, जिसे अगले पांच वर्षों में बढ़ाकर 5 अरब डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। उद्योग संगठनों का मानना है कि यह समझौता सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योगों के लिए भी नए अवसर पैदा करेगा और उन्हें वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला से जोड़ने में मदद करेगा।

खास बात यह है कि इस समझौते को भारत की उदार व्यापार नीति में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर माना जा रहा है। विशेषज्ञों का कहना है कि यह केवल शुल्क घटाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह निवेश, तकनीक और लोगों के बीच संबंधों को भी मजबूत करेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इस समझौते को लेकर अपने संदेश में कहा है कि यह भारत के लिए एक व्यापक और संतुलित कदम है, जो एक ओर भारतीय निर्यात पर शुल्क समाप्त कर श्रम आधारित क्षेत्रों को मजबूती देगा, वहीं सूक्ष्म लघु और मध्यम उद्यमों को भी नया बल प्रदान करेगा। उन्होंने रेखांकित किया कि इस समझौते में कृषि और डेयरी जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की पूरी तरह सुरक्षा सुनिश्चित की गई है, जिससे घरेलू किसानों और उद्योगों के हित प्रभावित नहीं होंगे। साथ ही यह समझौता छात्रों और कुशल पेशेवरों के लिए नए अवसरों का विस्तार करेगा, कृषि उत्पादकता बढ़ाने में सहयोग देगा और निवेश को प्रोत्साहित करेगा, जिससे दोनों देशों के बीच आर्थिक साझेदारी और मजबूत होगी।

कुल मिलाकर देखें तो भारत न्यूजीलैंड मुक्त व्यापार समझौता दोनों देशों के लिए आर्थिक सहयोग का एक नया अध्याय खोलता है। यह समझौता व्यापार को गति देगा, निवेश बढ़ाएगा और रोजगार के नए अवसर पैदा करेगा। आने वाले वर्षों में इसका प्रभाव न केवल व्यापार आंकड़ों में दिखाई देगा, बल्कि यह दोनों देशों के बीच गहरे और स्थायी संबंधों की नींव भी मजबूत करेगा।

नेताओं के सोशल मीडिया पर गर्मी की चर्चा

नेताओं के बहाने ही सही लेकिन पूरे देश में भीषण गर्मी का मसला अब सोशल मीडिया पर चर्चा में आ गया है। सामान्य तौर पर तो मीडिया संस्थान अपने न्यूज बुलेटिन में टेल पीस यानी पुछल्ले की तरह मौसम का हाल बता ही देते हैं कि तापमान कितना रहेगा, उमस रहेगी या हवा चलेगी, बारिश होगी या केवल बादल छाए रहेंगे, और इसके अलावा मौसम से जुड़ी खबर तभी आती है जब आम जनता के मरने की नौबत आ जाए। जैसे भीषण गर्मी और लू की चपेट से फलानी-फलानी जगह पर इतने दिनों में इतनी मौतें। या बाढ़ के कारण जान-माल की बड़ी हानि। हाड़-मांस के जीते-जागते लोग मौसम की मार के कारण कब मौत के आंकड़ों में तब्दील हो जाते हैं, देश उस पर ध्यान ही नहीं देता। मौसम से मरने वालों के नाम खबरों में नहीं आते, क्योंकि वे बेहद आम और गरीब लोग होते हैं। आसमान से गिरने वाली बिजली भी जानती है कि गरीब कहां खड़ा है, उसी पर गिरती है। लू भी यही जानती है कि उसके लिए गरीब का घर ही खुला है, क्योंकि वहां एसी, कूलर तो दूर की बात पंखा भी नसीब नहीं होता। खस के पर्दे लगाने जैसे पारंपरिक तरीकों से ही थोड़ा बहुत बचाव करने की कोशिश होती है।

तो ऐसी गर्मी सालों साल से हिंदुस्तान के आम आदमी को झुलसा रही है, लेकिन इन दिनों सोशल मीडिया पर उसकी चर्चा है। एक तो बिहार की नवनिर्वाचित विधायक मैथिली ठाकुर ने अपने क्षेत्र अलीनगर का दौरा किया और वहां लोगों ने बिजली कटौती की शिकायत की, तो उनका जवाब था बाप रे बाप! इतनी गर्मी में बिजली नहीं आती। अच्छी बात है कि विधायक महोदया को अहसास तो हुआ कि गर्मी में बिना पंखे के गुजारा करना कितना मुश्किल होता है। उन्होंने फौरन बिजली विभाग में फोन लगाया और कहा कि हमारा नाम खराब हो रहा है यहां की कटौती रोकिए। उसके बाद अपनी जनता से कहा कि चार दिन में बिजली आ जाएगी। इस पर वहां की जनता खुश हुई और ये सारा वाकया बाकायदा रिकार्ड होकर सोशल मीडिया पर अपलोड कर दिया गया। अब इसे कितने लाइक्स और कमेंट्स मिलते हैं, उसे परख कर शायद मैथिली ठाकुर अपने अगले वीडियो की तैयारी करें। वे मोदीजी की पार्टी भाजपा की विधायक हैं, जहां सब लोग उन्हीं से प्रेरित होकर अलग-अलग एंगल्स से वीडियो बनाकर अपलोड करवाते हैं। काम हो न हो, वीडियो अच्छा चलना चाहिए। वैसे मैथिली ठाकुर को जनता से कहना चाहिए था कि पांच साल तक गर्मी बर्दाश्त कर लें, तब तक भागलपुर में अडानी बिजली संयंत्र तैयार हो जाएगा, जिसमें वादा है कि बिहार के लोगों के लिए सस्ती बिजली दी जाएगी। आखिर इसी वादे के लिए तो हजार एकड़ जमीन अडानी समूह को दी गई और यहां लगे आम, लीची और सागौन के करीब 10 लाख पेड़ काटने की इजाजत भी दी गई है। अब अगर घनी अमराइयां और घने, फलदार पेड़ शहरों-गांवों में दिखते रहें तो लगेगा कि हम पुराने जमाने में जी रहे हैं, जबकि सरकार को विकास दिखाना है, इसलिए पेड़ों को काटना और कारखाने लगाना जरूरी है।

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया भी शायद ऐसा ही कुछ समझाना चाहते हैं। क्योंकि उनका भी एक वीडियो काफी वायरल हुआ है, जिसमें वह कह रहे हैं कि संचार मंत्री जेब में प्याज रखकर घूमता है। श्री सिंधिया ने ये भी बताया कि वह गाड़ी में एसी नहीं चलाते हैं और 51 डिग्री तापमान वाली गर्मी और गर्म हवा के थपेड़ों का सामना करने के लिए जेब में प्याज रखते हैं। उन्होंने इंस्टाग्राम पर शेयर किए वीडियो में जेब से प्याज निकालकर लोगों को दिखाया और कहा कि जेब में प्याज रखो और गर्मी से बचे रहो। मोदीजी का चेला बनने के सारे गुण श्री सिंधिया ने अर्जित कर लिए हैं, ये इस वीडियो से समझ आता है। एक तरफ अपनी ताकत और संपन्नता का निर्लज्ज प्रदर्शन और दूसरी तरफ गरीब के जख्मों को कुरेदना, ये दोनों काम मोदी भी बढ़िया करते हैं और अब सिंधिया भी वही कर रहे हैं। गाड़ी में एसी न चलाकर वो अपना एहसान दिखा रहे हैं। लेकिन क्या उन्हें इस बात का एहसास है कि आम आदमी न गाड़ी खरीद पाता है, न एसी। और रहा सवाल प्याज रख कर लू से बचने का, तो ये भी पारंपरिक इलाज के नाम पर फैलाए गए हजारों मिथ में से ही एक है। बेशक प्याज में मौजूद तत्व शरीर के लिए कई तरह से लाभदायक होते हैं। इसकी तासीर ठंडी होती है, इसमें कम्पाउंड क्वेरसेटिन में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं, जो शरीर को ठंडक देते हैं। जिस वजह से लोग गर्मी में प्याज ज्यादा खाते हैं। इसे खाने से शरीर का तापमान सामान्य रहता है और पानी की कमी भी नहीं होती। लेकिन ऐसा कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है कि प्याज साथ में रखने से आप गर्मी या लू से बच जाएंगे। जानकारों का कहना है कि प्याज खाने से शरीर को ठंडक मिलती है लेकिन इसे साथ में रखने से हीट स्ट्रोक या लू से नहीं बच सकते हैं। इसलिए गर्मी से बचने के लिए नारियल पानी, तरबूज, खीरा जैसे फल खाने, हर आधे घंटे पर पानी पीने और ग्लूकोज लेवल बनाए रखने की सलाह दी जाती है। साथ ही दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक बाहर न निकलने की सलाह भी चिकित्सक देते हैं।

हालांकि यह भी गरीब, मजदूर वर्ग के लिए विलासिता के समान है कि वह पूरी दोपहर आराम करे, क्योंकि उसे तो हर घंटे काम के पैसे मिलते हैं। कम काम यानी कम कमाई। दूसरी तरफ रेहड़ी-पटरी वाले क्या करें, कहां जाएं, उनके लिए भी आजीविका के जो साधन हैं, वो मौसम के अनुसार आराम की सहूलियत नहीं देते हैं। ठेले वाले, रिक्शे वाले, सड़क किनारे बैठे मोची, दर्जी, नाई क्या ये लोग गर्मी में न निकलने का विकल्प आजमा सकते हैं। इनकी तो नियति ही मौसम के थपेड़े सहकर काम करना है। सरकार चाहे तो इनके लिए सुविधाओं का इंतजाम करे, हर थोड़ी दूर पर विश्रामगृह बनाए, जहां बिजली के पंखे, कूलर रहें, पीने का पानी रहे। इतना भी हो तो इन्हें बहुत आराम हो जाएगा। और इसमें जो खर्च आएगा वो प्रधानमंत्री और बाकी नेताओं की रील बनाने, फूल मालाओं से स्वागत करवाने या प्रचार पर किए जाने वाले खर्च से काफी कम पड़ेगा। लेकिन इतनी सी जिम्मेदारी पूरा करने की जगह सलाह मिली है कि जेब में प्याज रखो। हालांकि प्याज भी तो सस्ती नहीं है।

पड़ोसी देशों के साथ सहयोग बढ़ाकर मोदी ने बदल डाले दक्षिण एशिया के समीकरण

नीरज कुमार दुबे

भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को निर्णायक रूप से अपने पक्ष में ढालने की दिशा में सक्रिय रूप से आगे बढ़ रहा है। हम आपको बता दें कि क्षेत्रीय राजनीति में बदलते समीकरणों के बीच भारत ने संवाद, रणनीति और शक्ति संतुलन के माध्यम से अपनी स्थिति को मजबूती से स्थापित किया है। चीन से लेकर दक्षिण एशिया के अन्य देशों तक, हर मोर्चे पर भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि वह न केवल क्षेत्रीय स्थिरता का केंद्र है, बल्कि भविष्य की वैश्विक दिशा तय करने में भी उसकी भूमिका लगातार बढ़ रही है।

भारत-चीन संबंध

सबसे पहले भारत और चीन संबंधों की बात करें तो दोनों देशों के बीच मतभेदों के बावजूद संवाद की प्रक्रिया जारी है। ब्रिक्स तंत्र के अंतर्गत सहयोग को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। चीन ने भारत की अध्यक्षता का समर्थन किया है और भारत ने भी इस मंच पर चीन की भूमिका की सराहना की है। हाल ही में चीन के विशेष दूत झाई जुन ने नई दिल्ली में बैठक के दौरान यह कहा कि दोनों देश प्रमुख विकासशील राष्ट्र होने के नाते अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय मुद्दों पर निरंतर संवाद बनाए हुए हैं। भारत की ओर से भी यह संकेत दिया गया कि क्षेत्रीय तनाव को कम करने और शांति स्थापित करने के लिए ब्रिक्स देशों के साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। यह भी महत्वपूर्ण है कि ब्रिक्स सम्मेलन के लिए चीन के शीर्ष नेतृत्व का भारत दौरा प्रस्तावित है, जो गलवान घटना के बाद संबंधों में एक नई दिशा का संकेत देता है। एससीओ सम्मेलन में शिरकत करने गये रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अपने चीनी समकक्ष के साथ द्विपक्षीय मुद्दों पर हुई चर्चा भी दोनों देशों के संबंधों को बेहतर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

भारत-नेपाल संबंध

वहीं भारत और नेपाल संबंधों पर नजर डालें तो हाल के घटनाक्रम सहयोग के नए अवसरों की ओर इशारा करते हैं। नेपाल में नई सरकार के गठन के बाद वहां भारत का पहला उच्च स्तरीय संपर्क होने जा रहा है। हम आपको बता दें कि भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी काठमांडू जाने की तैयारी में हैं।

दोनों देशों के बीच बहुआयामी सहयोग को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। इस यात्रा को दोनों देशों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर माना जा रहा है, जिससे व्यापार, ऊर्जा और आधारभूत संरचना जैसे क्षेत्रों में साझेदारी को नई गति मिल सकती है। साथ ही, यह भी संकेत मिला है कि भारत नेपाल के नए नेतृत्व के साथ प्राथमिकताओं को समझकर आगे बढ़ना चाहता है। नेपाल द्वारा अमेरिका और चीन के साथ भी संपर्क बढ़ाने के बीच भारत का यह संतुलित दृष्टिकोण कूटनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है।

भारत-बांग्लादेश संबंध

अब भारत और बांग्लादेश संबंधों की बात करें तो हाल के समय में इसमें उतार चढ़ाव देखने को मिला है, लेकिन अब दोनों देश संबंधों को पुनः मजबूत करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। भारत ने बांग्लादेश में अपने उच्चायुक्त के रूप में एक अनुभवी राजनेता दिनेश त्रिवेदी की नियुक्ति की है, जो इस संबंध की संवेदनशीलता को दशार्ता है। बांग्लादेश में नई सरकार के गठन के बाद दोनों देशों के बीच संबंधों में आई खटास को दूर करने के प्रयास तेज हुए हैं। हाल ही में उच्च स्तरीय बैठकों में व्यापार, ऊर्जा और जनसंपर्क जैसे मुद्दों पर सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। भारत ने बांग्लादेश में नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेकर यह संकेत दिया कि वह संबंधों को स्थिर और सकारात्मक दिशा में ले जाना चाहता है। दोनों देशों के बीच लगातार संवाद जारी है, जो दीर्घकालिक साझेदारी की मजबूती को दशार्ता है।

भारत-श्रीलंका संबंध

वहीं भारत और श्रीलंका संबंधों की चर्चा करें तो यहां सहयोग का स्वरूप अधिक व्यावहारिक और सामरिक दिखाई देता है। भारत ने श्रीलंका की तटरक्षक क्षमताओं को मजबूत करने के लिए उपकरण सौंपे हैं, जिससे समुद्री सुरक्षा और खोज बचाव कार्यों में सुधार होगा। इसके साथ ही दोनों देशों की नौसेनाओं के बीच संयुक्त अभ्यास आयोजित किया गया, जिससे आपसी तालमेल और तकनीकी सहयोग को बढ़ावा मिला। इस अभ्यास में विशेष समुद्री संचालन और प्रशिक्षण शामिल थे, जो सुरक्षा सहयोग की गहराई को दशार्ते हैं। इसके अलावा भारत ने मानवीय सहायता के तहत चिकित्सा इकाइयां भी उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है, जो आपदा प्रबंधन और स्वास्थ्य सेवाओं में मददगार होंगी।

अब इन सभी संबंधों का सामरिक विश्लेषण करें तो यह स्पष्ट होता है कि भारत अपने पड़ोसी देशों के साथ संतुलित, सहयोगात्मक और बहुआयामी संबंध स्थापित करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। चाहे वह चीन जैसे प्रतिस्पर्धी देश के साथ संवाद बनाए रखना हो, नेपाल के साथ पारंपरिक संबंधों को नया आयाम देना हो, बांग्लादेश के साथ राजनीतिक बदलाव के बावजूद साझेदारी को मजबूत करना हो या श्रीलंका के साथ रक्षा और मानवीय सहयोग बढ़ाना हो, भारत की नीति में निरंतरता और स्पष्टता दिखाई देती है। देखा जाये तो मोदी सरकार की विदेश नीति का एक प्रमुख पहलू यह रहा है कि उसने पड़ोसी देशों को प्राथमिकता दी है। पड़ोसी पहले की नीति के तहत भारत ने यह सुनिश्चित किया है कि क्षेत्रीय स्थिरता और विकास में उसकी भूमिका निर्णायक बनी रहे। इस नीति के तहत संवाद, सहायता, निवेश और सुरक्षा सहयोग को समान महत्व दिया गया है। भारत ने जहां एक ओर कूटनीतिक संतुलन बनाए रखा है, वहीं दूसरी ओर व्यावहारिक सहयोग के माध्यम से विश्वास भी मजबूत किया है। देखा जाये तो इन प्रयासों का प्रभाव केवल दक्षिण एशिया तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी देखने को मिलेगा। एक स्थिर और सहयोगपूर्ण दक्षिण एशिया वैश्विक शांति, व्यापार और आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है। भारत यदि अपने पड़ोस में स्थिरता स्थापित करता है, तो यह उसे एक जिम्मेदार और प्रभावशाली वैश्विक शक्ति के रूप में स्थापित करेगा। बहरहाल, वर्तमान घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि भारत और उसके पड़ोसी देशों के संबंध धीरे धीरे बेहतर दिशा में बढ़ रहे हैं। संवाद, सहयोग और संतुलन की यह नीति आने वाले समय में क्षेत्रीय और वैश्विक स्तर पर सकारात्मक परिवर्तन ला सकती है।

जिलाधिकारी ने की कर-करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक, राजस्व वसूली में तेजी लाने के दिये निर्देश

शासन द्वारा निर्धारित महीने के लक्ष्य के अनुरूप वसूली के कार्य में लाया जाये तेजी: जिलाधिकारी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में राजस्व कार्यक्रमों व कर-करेत्तर की मासिक समीक्षा बैठक की, जिलाधिकारी ने मानक के मुताबिक वसूली के लक्ष्य को पूरा करने, तहसील स्तरों पर बकायेदारों पर वसूली की कार्यवाही करने, आर0सी0 का नियमित मिलान करने के साथ ही सरकारी जमीनों को सुरक्षित करते हुए जन शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश सम्बन्धितों को दिये गये। उन्होंने कहा कि शासन द्वारा निर्धारित महीने के अनुरूप लक्ष्य वसूली के कार्य में तेजी लाया जाये, जिससे राजस्व वसूली के प्रगति में तेजी लाया जा सकें, इस कार्य में शिथिलता न बरती जायें, लक्ष्य पूरा न करने वालों की जिम्मेदारी तय की जाये। उन्होंने कहा कि तहसीलों का काम समयबद्ध और बेहतर तरीके से करने के लिए कड़ाई के साथ उप जिलाधिकारी व तहसीलदार राजस्व कार्मिक अपने दायित्वों का निर्वहन करें। उन्होंने कहा कि राजस्व मुकदमों का निस्तारण समयबद्ध तरीके से किया जाय, जमीनी विवादों का निस्तारण मौके पर जाकर किया जाये, किसी भी हाल में जनता के साथ अन्याय न होने पायें, इसका भी ध्यान दिया जाये। बैठक के दौरान उन्होने परिवहन विभाग को निर्देशित किया कि ओवर लोड़िग वाहनों पर कार्यवाही करते हुए जो वाहन जिस खनिज का ओवर लोडिंग करते पकड़े जाते है उस खनिज से सम्बन्धि खदान/परमिट जारी कर्ता पर भी कार्यवाही की जाये। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग को जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुए कहा कि बाजार में बिकने वाले खाद्य सामग्री की जॉच कराते रहें, ताकि किसी प्रकार प्रकार की मिलावटी की स्थिति न आने पायें, इसके लिए छापेमारी की कार्यवाही में तेजी लाया जायें और जो भी शासन द्वारा मानक व फामूर्ला निर्धारित किया गया है, उसका अक्षरशः अनुपालन करना सुनिश्चित करेंगें। बैठक में उप जिलाधिकारी दुद्धी श्री निखिल यादव, कलेक्ट्रेट ओ0सी0, उप जिलाधिकारी घोरावल आशीष त्रिपाठी, जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सुधांशु शेखर शर्मा, जिला पूर्ति अधिकारी ध्रुव गुप्ता, सदर तहसीलदार अमित कुमार, प्रशासनिक अधिकारी रामलाल यादव सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।

मीना मंच कार्यकारिणी का गठन सम्पन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

परसपुर गोण्डा। शिक्षा क्षेत्र परसपुर अंतर्गत उच्च प्राथमिक विद्यालय बेलवा नोहर में बालिकाओं के सशक्तिकरण हेतु 'मीना मंच' की कार्यकारिणी का गठन उत्साहपूर्वक किया गया। अध्यक्ष पद के चुनाव में खुशी ने 49 मत प्राप्त कर अपनी निकटतम प्रतिद्वंदी जीनत को 26 मतों से पराजित किया। कुल 122 बच्चों ने मतदान में भाग लिया। सुगमकर्ता मनोज कुमार चतुवेर्दी के अनुसार सचिव पद पर रंजना यादव, कोषाध्यक्ष मोनिका तथा पावर एंजेल के रूप में आस्था, रुनझुन व नैना को चुना गया, जबकि 11 बालिकाओं को सक्रिय सदस्य बनाया गया। प्रधानाध्यापक श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि मीना मंच का उद्देश्य बालिकाओं में नेतृत्व क्षमता व जागरूकता बढ़ाना है। इस दौरान चयनित पदाधिकारियों को बैज पहनाकर सम्मानित किया गया तथा शिक्षक महेश कुमार ने शपथ दिलाई। अंत में अध्यक्ष खुशी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

कार की जोरदार टक्कर से बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल, चालक फरार

हलिया/मिजार्पुर (स्वास्तिक सहारा)। हलिया थाना क्षेत्र के हलियाझलालगंज मार्ग पर सोमवार दोपहर एक सड़क हादसे में बाइक सवार महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। यह दुर्घटना बरी गांव स्थित आर्यावर्त बैंक के पास करीब डेढ़ बजे हुई, जब पीछे से आ रही तेज रफ्तार अज्ञात कार ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रयागराज जनपद के मांडा खास थाना क्षेत्र अंतर्गत बनवारीपुर गांव निवासी 45 वर्षीय शिवकुमारी अपने 18 वर्षीय पुत्र लक्ष्मण और 19 वर्षीय पुत्री प्रीति के साथ बाइक पर सवार होकर हलिया थाना क्षेत्र के वीरपुर गांव में एक रिश्तेदार के यहां शादी समारोह में शामिल होने जा रही थीं। जैसे ही उनकी बाइक बरी गांव स्थित आर्यावर्त बैंक के पास पहुंची, तभी पीछे से तेज गति में आ रही एक अज्ञात कार ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक पर पीछे बैठी शिवकुमारी सड़क पर गिर पड़ीं और गंभीर रूप से घायल हो गईं। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जबकि कार चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया। आसपास के ग्रामीण तत्काल मौके पर पहुंचे और घायल महिला की मदद करते हुए 108 एंबुलेंस सेवा को सूचना दी।

एंबुलेंस के माध्यम से घायल महिला को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र हलिया पहुंचाया गया, जहां डॉक्टर रीना सिंह द्वारा उनका उपचार किया जा रहा है। चिकित्सकों के अनुसार महिला की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं इस दुर्घटना में महिला के पुत्र लक्ष्मण और पुत्री प्रीति को मामूली चोटें आई हैं, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद घर भेज दिया गया। पुलिस को घटना की सूचना दे दी गई है और फरार कार चालक की तलाश की जा रही है। स्थानीय लोगों ने तेज रफ्तार वाहनों पर नियंत्रण और सड़क सुरक्षा के कड़े इंतजाम की मांग की है, ताकि इस तरह की घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सके।

विकास खंड चोपन में शत-प्रतिशत नामांकन के लिए डोर-टू-डोर अभियान, 51 बच्चे चिन्हित

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। चोपन विकास खंड में 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के सभी बच्चों का शत-प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित करने के लिए एक विशेष अभियान चलाया गया। मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 को भलुआ टोला में आयोजित इस डोर-टू-डोर अभियान के तहत 51 ऐसे बच्चों को चिन्हित किया गया, जो अभी तक विद्यालय से बाहर थे। इनमें से 20 बच्चों का मौके पर ही नामांकन कर लिया गया। इस अभियान का नेतृत्व खंड शिक्षा अधिकारी लोकेश मिश्रा ने किया। उनके साथ विकास खंड चोपन के एआरपी वंशदीप, प्रशांत और ज्ञान प्रकाश सहित प्राथमिक विद्यालय भलुआ टोला एवं बिल्ली प्रथम के शिक्षक व शिक्षा मित्र सक्रिय रूप से शामिल रहे। टीम ने घर-घर जाकर अभिभावकों से संपर्क किया और उन्हें बच्चों को विद्यालय भेजने के लिए प्रेरित किया। डोर-टू-डोर संपर्क के दौरान चिन्हित किए गए शेष बच्चों का नामांकन आगामी कार्य दिवसों में पूरा किया जाएगा। शिक्षा विभाग ने इस पहल को सकारात्मक बताया है और जल्द ही शत-प्रतिशत नामांकन का लक्ष्य हासिल करने का भरोसा जताया है। अभियान के दौरान अभिभावकों को सरकार द्वारा प्रदान की जा रही विभिन्न सुविधाओं की जानकारी दी गई। इनमें निःशुल्क यूनिफॉर्म, स्वेटर, जूते-मोजे, स्कूल बैग के लिए 1200 रुपये की डीबीटी, मुफ्त पाठ्य पुस्तकें, स्वास्थ्य जांच शिविर, गरम मध्याह्न भोजन, प्रत्येक बुधवार को दूध और सोमवार को फल जैसी योजनाएं शामिल हैं। खंड शिक्षा अधिकारी लोकेश मिश्रा ने कहा कि शिक्षा प्रत्येक बच्चे का मौलिक अधिकार है और इसमें अभिभावकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपने बच्चों का नजदीकी विद्यालय में नामांकन कराने की अपील की। इस अभियान से क्षेत्र में शिक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ी है। उम्मीद है कि जल्द ही सभी पात्र बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे।

मुख्य अभियंता का अदवा बांध निरीक्षण, कार्य बंद मिलने पर इंचार्ज को लगाई कड़ी फटकार

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। सिरसी बांध प्रखंड के अंतर्गत अदवा बांध पर चल रहे विकास कार्यों का रविवार को मुख्य अभियंता सिद्धार्थ सिंह ने औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कार्य स्थल पर काम बंद पाए जाने पर उन्होंने कड़ी नाराजगी जताते हुए वर्क इंचार्ज ईश्वर दयाल वर्मा को फटकार लगाई और तत्काल कार्य में तेजी लाने के निर्देश दिए।

मुख्य अभियंता ने अदवा बांध पर बन रही सड़क का भी निरीक्षण किया और सुरक्षा की दृष्टि से उस मार्ग से आम आवागमन बंद कराने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने बांध के सभी आठ गेटों की स्थिति का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों से जलस्तर की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। निरीक्षण के दौरान करीब 13 करोड़ रुपये की लागत से कराए जा रहे विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सभी कार्य समयबद्ध तरीके से पूर्ण किए जाएं। बांध परिसर में बनाए गए रैन सूट (रेन शेल्टर) की स्थिति खराब मिलने पर मुख्य अभियंता ने गहरी नाराजगी व्यक्त की और उसे दोबारा गुणवत्तापूर्ण तरीके से बनवाने के निर्देश दिए।

इसके अलावा उन्होंने गेट के पास करीब 50 लाख रुपये की लागत से बने जनरेटर कक्ष और लगभग 70 लाख रुपये की लागत से निर्मित कर्मचारी आवास का भी निरीक्षण किया। कार्यों की गुणवत्ता और धीमी प्रगति पर असंतोष जताते हुए उन्होंने कार्यदायी संस्था को चेतावनी देते हुए काम में तेजी और गुणवत्ता सुनिश्चित करने को कहा। इस दौरान अवर अभियंता सिद्धार्थ यादव, सहायक अभियंता असलम सहित अन्य विभागीय अधिकारी और कर्मचारी मौके पर मौजूद रहे।

नवनियुक्त मेरठ मंडल अध्यक्ष दिनेश खेड़ा का भाकियू के जिला कार्यालय सलारपुर पर हुआ भव्य स्वागत

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

नोएडा। सलारपुर स्थित भारतीय किसान यूनियन जिला कार्यालय पर नवनियुक्त मेरठ मंडल अध्यक्ष दिनेश खेड़ा का आगमन हुआ। इस अवसर पर गौतम बुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष अशोक भाटी द्वारा पुष्पमाला पहनाकर, पगड़ी बांधकर तथा क्रांतिकारी विजय सिंह पथिक की प्रतिमा भेंट कर उनका जोरदार भव्य स्वागत किया गया। बैठक की अध्यक्षता जलकेश बाबूजी ने की, जिसमें आगामी 15 मई को महेंद्र सिंह टिकैत की पुण्यतिथि मनाने, संगठन विस्तार तथा क्षेत्रीय समस्याओं पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान उपस्थित सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने दिनेश खेड़ा को मेरठ मंडल अध्यक्ष बनने पर हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।जिलाध्यक्ष अशोक भाटी ने अपने संबोधन में कहा कि भाकियू गौतम बुद्ध नगर क्षेत्र में लगातार पंचायत, किसान संगोष्ठी एवं संगठन विस्तार का कार्य कर रही है। साथ ही क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए जल्द ही एक बड़े आंदोलन की शुरूआत भी की जा सकती है। इस कार्यक्रम में प्रमुख रूप से राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी सुभाष चौधरी, विकास गुर्जर, जोगिंदर भड़ाना, सिंहराज गुर्जर, विपिन प्रधान, गजेंद्र रेक्सवाल, रविंद्र भगतजी, रामवीर हवलदार, सुंदर गुर्जर, कृष्ण गुर्जर, संजय फौजी, नितिराज चौधरी, नवल प्रधान, सचिन अवाना, मनोज अवाना, राजकुमार प्रजापति, सोनू यादव सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

युवक का पत्थर से बंधा शव नदी में मिलने से क्षेत्र में फैली सनसनी, परिजनों का रो रो कर बुरा हाल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

हलिया/मिजार्पुर। विंध्याचल थाना क्षेत्र के गैपुरा क्षेत्र मे संदिग्ध परिस्थितियों में लापता युवक का शव पत्थर से बंधा हुआ नदी में मिलने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई युवक की हत्या की आशंका जताई जा रही है जानकारी के अनुसार गैपुरा आईटीआई कॉलेज के पास कर्णावती नदी के किनारे पत्थर से बंधा हुआ एक युवक का शव संदिग्ध परिस्थितियों में बरामद किया गया मृतक की पहचान कठवैया निवासी 20 वर्षीय राहुल पुत्र ललित के रूप में हुई है आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या के बाद सबूत मिटाने के उद्देश्य से शरीर पर भारी पत्थर बांधकर शव को नदी में फेंक दिया गया जिससे यह साफ अंदेशा लगाया जा रहा है कि वारदात को बेहद सुनियोजित तरीके से अंजाम दिया गया है वही घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम मे भेजने के साथ ही जांच पड़ताल करने में जुट गई है पुलिस आसपास के लोगों से पूछताछ कर रही है इस घटना से क्षेत्र में सनसनी फैल गई है वहीं मृतक के पिता द्वारा बताया गया कि दो-तीन दिन से बेटा गायब था जिसकी खोज की जा रही थी युवक की मौत से मृतक की मां तथा परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया है पुलिस जल्द ही पूरे मामले का पदार्फाश करने का दावा कर रही है।

शक्तिनगर के पूर्व थाना प्रभारी कमल नयन दुबे पुलिस लाइन अटैच, नियमों की अनदेखी और पत्रकारों पर फर्जी मुकदमा को लेकर उठे सवाल

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

शक्तिनगर/सोनभद्र। शक्तिनगर थाना क्षेत्र में तैनात रहे पूर्व थाना प्रभारी कमल नयन दुबे को लेकर एक बड़ा प्रशासनिक निर्णय सामने आया है। सूत्रों के अनुसार, नियमों की अनदेखी और कार्यशैली पर उठे सवालों के चलते उन्हें पन्नूगंज थाना प्रभारी बनाए जाने से पहले ही जौनपुर पुलिस लाइन से अटैच कर दिया गया है। इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में चचाओं का दौर तेज हो गया है।

बताया जा रहा है कि कमल नयन दुबे पर शक्तिनगर में तैनाती के दौरान पत्रकारों पर फर्जी मुकदमा दर्ज करने के गंभीर आरोप लगे थे। इस मामले को लेकर क्षेत्रीय पत्रकारों में काफी आक्रोश व्याप्त था। पत्रकारों का आरोप था कि बिना ठोस आधार के मुकदमा दर्ज किया गया और गुंडा एक्ट लगाने की धमकी भी दी गई, जिससे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर सवाल खड़े हुए।

मामले को लेकर नाराज पत्रकारों ने प्रदेश के मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ, पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) लखनऊ, पुलिस अधीक्षक सोनभद्र तथा जिलाधिकारी सोनभद्र सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को पत्र लिखकर पूरे प्रकरण से अवगत कराया था। पत्राचार में पत्रकारों ने इसे लोकतंत्र के चौथे स्तंभ के साथ खिलवाड़ बताते हुए निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की थी।

सूत्रों के मुताबिक, उच्च स्तर पर शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए पूरे मामले की समीक्षा की गई, जिसके बाद यह प्रशासनिक कदम उठाया गया। हालांकि, इस संबंध में आधिकारिक रूप से विस्तृत बयान सामने नहीं आया है। स्थानीय लोगों और पत्रकारों का कहना है कि इस कार्रवाई से यह संदेश जाता है कि प्रशासन किसी भी प्रकार की मनमानी या नियमों के उल्लंघन को बर्दाश्त नहीं करेगा। वहीं, निष्पक्ष जांच की मांग अभी भी जारी है ताकि पूरे मामले की सच्चाई सामने आ सके। फिलहाल, पुलिस विभाग की ओर से आगे की कार्रवाई और जांच रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

स्वस्थ श्रमिक, सशक्त उद्योग और समृद्ध राष्ट्र के निर्माण में के लिए प्रदेश सरकार कृत संकल्पित

श्रमिकों के स्वास्थ्य एवं सुरक्षा हेतु श्रमिक दिवस के अवसर पर महा मेगा हेल्थ कैंप का किया जाएगा आयोजन

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। जिलाधिकारी ने जनपद के समस्त श्रमिकों से अपील करते हुए कहा कि श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों में 24 अप्रैल से 01 मई 2026 तक निरंतर मेडिकल कैंप संचालित किए जा रहे हैं। उन्होंने सभी श्रमिकों से आग्रह किया कि वे अपने निकटतम शिविर में पहुंचकर स्वास्थ्य परीक्षण अवश्य कराएं और उपलब्ध निःशुल्क सेवाओं का अधिकतम लाभ उठाएं। उन्होंने बताया कि इस पहल का मुख्य उद्देश्य श्रमिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा सुनिश्चित करना तथा उनकी समस्याओं का त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण करना है। जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि 01 मई को श्रमिक दिवस के अवसर पर महा मेगा हेल्थ कैंप का आयोजन किया जाएगा, जिसके अंतर्गत 31 निजी मल्टी स्पेशियलिटी अस्पतालों सहित सभी सरकारी अस्पतालों में श्रमिकों के लिए निःशुल्क उपचार व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। इसके अतिरिक्त 300 से अधिक स्वास्थ्य शिविर औद्योगिक इकाइयों में भी लगाए जा रहे हैं, जहां टेलीमेडिसिन, डिस्पेंसरी एवं एम्बुलेंस जैसी सुविधाएं उपलब्ध रहेंगी, ताकि श्रमिक अपनी सुविधा के अनुसार आसानी से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकें।

जिलाधिकारी ने यह भी बताया कि इन शिविरों में श्रमिकों के बच्चों की शिक्षा, पोषण, तथा श्रमिकों के लिए स्वास्थ्य बीमा, जीवन बीमा, आयुष्मान कार्ड बनाने आदि जानकारी एवं मार्गदर्शन भी प्रदान किया जाएगा। श्रमिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सभी अस्पतालों में ह्यश्रमिक डेस्कह्व स्थापित किए गए हैं तथा सहयोग के लिए वॉलंटियर तैनात रहेंगे, जिससे किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने पुनः सभी श्रमिकों से आह्वान किया कि वे इस विशेष अभियान का अधिक से अधिक लाभ उठाएं। जिलाधिकारी ने बताया कि 01 मई को श्रमिक दिवस के अवसर पर आयोजित महा मेगा हेल्थ कैंप के अंतर्गत मुख्यमंत्री द्वारा लखनऊ से वर्चुअल जनपद की स्वास्थ्य एवं श्रमिक कल्याण से जुड़ी अनेक महत्वपूर्ण परियोजनाओं का शिलान्यास एवं लोकार्पण किया जाएगा। इस दौरान 44 स्थानों पर टेलीमेडिसिन सुविधाओं का विस्तार, औद्योगिक इकाइयों में 79 स्थानों पर डिस्पेंसरी/एम्बुलेंस कक्षों की स्थापना, तथा 25 चिकित्सीय मोबाइल वैन (मुख्यमंत्री आरोग्य रथ) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। साथ ही 03 लाख सेनेटरी पैड का वितरण, 201 स्थानों पर श्रमिक आरोग्य कैंपों का आयोजन तथा 31 ऑन-साइट मल्टी सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में निःशुल्क चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इसके अतिरिक्त 25 हेल्थ एटीएम, 04 एएलएस एम्बुलेंस एवं 10 ब्लड एनालाइजर का लोकार्पण तथा 05 पोर्टा क्लिनिक और 15 हेल्थ वेलनेस सेंटर का शिलान्यास किया जाएगा। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत 05 नए अस्पतालों को सूचीबद्ध किया जाएगा तथा 201 अस्पतालों में श्रमिक हेल्प डेस्क स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने बताया कि शिक्षा के क्षेत्र में प्राइमरी स्कूल हल्दौनी एवं कंपोजिट स्कूल छजारसी का लोकार्पण, तथा सीएम कंपोजिट स्कूल, सेक्टर-33, यीडा का शिलान्यास किया जाएगा। साथ ही 05 डिजिटल वैन/कौशल विकास बसों का शुभारंभ किया जाएगा और श्रमिक बाहुल्य क्षेत्रों के 40 विद्यालयों में द्वितीय पाली में कौशल विकास एवं अतिरिक्त कक्षाएं संचालित की जाएंगी। ह्यस्कूल चलो अभियानह्ल के अंतर्गत 25 विशेष शिविर भी आयोजित किए जाएंगे। श्रम विभाग द्वारा 24 निर्माण श्रमिकों के बीओसीडब्ल्यू पंजीयन केंद्रों का उद्घाटन, 43 शिशु कक्षों (क्रेच) की स्थापना तथा 79 एम्बुलेंस रूम/डिस्पेंसरी का संचालन सुनिश्चित किया जाएगा। साथ ही उद्योग, प्रशासन एवं स्वयं सहायता समूहों के बीच 15 एमओयू हस्ताक्षरित कर श्रमिकों को दी जाने वाली सुविधाओं को दीर्घकालिक बनाया जाएगा। बैंकिंग क्षेत्र में श्रमिक बस्तियों में 26 शिविर आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना एवं अटल पेंशन योजना के अंतर्गत खाते खोले जाएंगे।

बाल विवाह की सूचना पर पहुंची टीम, जांच में बालिग निकली युवती; लोगों को किया जागरूक

चोपन/सोनभद्र (स्वास्तिक सहारा)। थाना चोपन क्षेत्र अंतर्गत तेलगुड़वा मोड़ पर मंगलवार, 28 अप्रैल 2026 को बाल विवाह कराए जाने की सूचना मिलने पर प्रशासनिक टीम में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही चाइल्ड हेल्पलाइन और स्थानीय पुलिस की संयुक्त टीम तत्काल मौके पर पहुंची और मामले की जांच शुरू की। टीम में चाइल्ड हेल्पलाइन से सुधा गिरी, धर्मवीर सिंह और राम निहोर तथा थाना चोपन पुलिस के जवान शामिल रहे। मौके पर पहुंचकर टीम ने बालिका के परिजनों से उम्र संबंधी दस्तावेज प्रस्तुत करने को कहा। जांच के दौरान दस्तावेजों के आधार पर स्पष्ट हुआ कि संबंधित युवती बालिग है और उसका विवाह विधि अनुसार कराया जा रहा था। जांच के बाद टीम ने परिजनों को विवाह कार्यक्रम आगे संपन्न करने की अनुमति दे दी। साथ ही मौके पर मौजूद ग्रामीणों और आमजन को जागरूक करते हुए बताया गया कि बाल विवाह एक गंभीर सामाजिक कुरीति है और यह कानूनन दंडनीय अपराध है। टीम ने लोगों से अपील की कि यदि कहीं भी बाल विवाह जैसी गतिविधि की जानकारी मिले तो तुरंत 1098 चाइल्ड हेल्पलाइन या नजदीकी थाना पुलिस को सूचित करें। अधिकारियों ने यह भी भरोसा दिलाया कि सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी।

जिलाधिकारी ने जेबीजे टेक्नोलॉजी लिमिटेड कंपनी का किया भ्रमण

जिलाधिकारी मेधा रूपम ने भ्रमण के दौरान कंपनी में श्रमिकों हेतु लगाए गए मेडिकल कैंप का भी लिया जायजा

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। मुख्यमंत्री श्रमिकों के हितों एवं सुरक्षा के प्रति अत्यंत संवेदनशील है तथा प्रदेश सरकार श्रमिकों के हितों के लिए निरंतर प्रयासरत है। जिलाधिकारी द्वारा आज जेबीजे टेक्नोलॉजी लिमिटेड, उद्योग केंद्र-2, इकोटेक-3, ग्रेटर नोएडा का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान जिलाधिकारी ने कंपनी में तैयार किए जा रहे ऑटोमोबाइल पार्ट्स का अवलोकन करते हुए उनकी निर्माण प्रक्रिया को विस्तार से समझा। जिलाधिकारी ने कंपनी में तैयार की जा रही है सीट बेल्ट बनाने वाले श्रमिकों की सराहना करते हुए कहा कि रोड सेफ्टी में सीट बेल्ट का महत्वपूर्ण योगदान है, सीट बेल्ट हजारों लोगों की जान बचाती है। उन्होंने उत्पादन की गुणवत्ता, सुरक्षा मानकों तथा तकनीकी प्रक्रियाओं की बारीकी से जानकारी प्राप्त की। इस दौरान जिलाधिकारी ने श्रमिकों, विशेषकर असेंबली लाइन में कार्यरत महिला श्रमिकों से संवाद करते हुए उनको कंपनी में आयोजित हो रहे मेडिकल कैंप एवं उसमें उनके लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी उपलब्ध करायी। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कंपनी परिसर में जिला प्रशासन, इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन एवं यथार्थ सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वाधान में श्रमिकों हेतु आयोजित निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर (मेडिकल कैंप) का भी निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं जैसे ब्लड प्रेशर, शुगर, ईसीजी, नेत्र एवं दंत जांचकी जानकारी ली तथा मेडिकल टीम को आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए। जिलाधिकारी ने शिविर में उपस्थित श्रमिकों एवं कर्मचारियों से संवाद कर उनके स्वास्थ्य सेवाओं संबंधी अनुभव जाने। श्रमिकों ने कार्य स्थल पर ही निशुल्क स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने हेतु माननीय मुख्यमंत्री जी के प्रति अपना आभार व्यक्त किया। निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि निर्माण कार्य में सूक्ष्म स्तर की जांच के कारण श्रमिकों की आंखों पर विशेष प्रभाव पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए स्वास्थ्य सुरक्षा उपायों एवं नियमित परीक्षण की आवश्यकता पर बल दिया गया। जिलाधिकारी ने कहा कि उद्योगों की प्रगति में गुणवत्ता एवं श्रमिकों की सुरक्षा दोनों समान रूप से महत्वपूर्ण हैं। प्रशासन उद्योगों के साथ समन्वय स्थापित कर बेहतर कार्य वातावरण एवं श्रमिकों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए निरंतर प्रयासरत है। इस अवसर पर उपायुक्त उद्योग पंकज निर्वाण, अपर श्रमायुक्त राकेश द्विवेदी, इंडस्ट्रियल बिजनेस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमित उपाध्याय, सहायक उपाध्यक्ष सहित जेबीजे टेक्नोलॉजी लिमिटेड से देवेंद्र शर्मा व संबंधित अधिकारी एवं कंपनी के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

बरेका में गूंजा भाजपा का शक्ति संदेश: राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के संबोधन से कार्यकताओं में दिखा जोश

स्वास्तिक सहारा वाराणसी

वाराणसी। के बरेका परिसर में इस समय राजनीतिक माहौल पूरी तरह गरमाया हुआ है, जहां भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन का प्रभावशाली संबोधन जारी है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, पदाधिकारी और समर्थक मौजूद हैं, जिनमें जबरदस्त उत्साह और ऊर्जा साफ तौर पर देखने को मिल रही है। अपने संबोधन में नितिन नबीन ने संगठन की मजबूती, कार्यकर्ताओं की अहम भूमिका और केंद्र सरकार की उपलब्धियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भाजपा आज देश की सबसे सशक्त राजनीतिक शक्ति बन चुकी है, जिसका असली आधार उसके समर्पित और मेहनती कार्यकर्ता हैं। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर तक सरकार की योजनाओं और नीतियों को पहुंचाएं और संगठन को और अधिक मजबूत बनाएं। उन्होंने नरेंद्र मोदी के नेतृत्व की सराहना करते हुए कहा कि भारत आज विकास, आत्मनिर्भरता और वैश्विक पहचान की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। वाराणसी का विशेष उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे विकास और सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत संगम बताया, जो पूरे देश के लिए प्रेरणा का केंद्र बन चुका है। कार्यक्रम स्थल पर 'भारत माता की जय' और 'वंदे मातरम' के नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा, जिससे कार्यकर्ताओं का उत्साह चरम पर पहुंच गया। बरेका परिसर में आयोजित यह कार्यक्रम भाजपा की संगठनात्मक ताकत और राजनीतिक सक्रियता का जीवंत उदाहरण बनकर उभरा। कुल मिलाकर, नितिन नबीन का यह संबोधन न केवल कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा और जोश भर रहा है, बल्कि आने वाले समय में पार्टी की रणनीति और दिशा को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित करता नजर आ रहा है।

सभासद के उपचुनाव के लिए दिया प्रशिक्षण

नोएडा। जेवर नगर पंचायत के वार्ड-12 में सभासद पद के लिए होने वाले उप चुनाव के लिए मंगलवार को कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी भी मौजूद रहे। मास्टर ट्रेनर ने कर्मचारियों को चुनाव को पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता और सुचारू रूप से पूरा कराने के लिए दिशा-निर्देश दिए। इसमें पोलिंग पार्टियों के गठन, निर्वाचन प्रक्रिया, मतगणना संबंधी व्यवस्थाओं तथा मतदान से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। दूसरा प्रशिक्षण 4 मई को दिया जाएगा। इस दौरान जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप सिंह, निर्वाचन के रिटर्निंग अधिकारी लवेश कुमार सिसोदिया समेत विभिन्न अधिकारी मौजूद रहे। चुनाव अधिकारियों ने बताया कि तीनों प्रत्याशियों को चुनाव चिह्न आवंटित हो चुके हैं। चुनाव अधिकारी इनकी गतिविधियों पर नजर रखे हुए हैं।

हीट स्ट्रोक से बचाव हेतु जिला प्रशासन ने की एडवाइजरी जारी

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। अपर जिलाधिकारी वि0/रा0 वागीश कुमार शुक्ला ने अवगत कराया है कि जनपद में विगत दिनों में तापमान 40 डीग्री से 42 डीग्री के आस पास दर्ज किया जा रहा है, जो कि अत्यधिक गर्मी को प्रदर्शित करता है और आने वाले दिनों में तापमान बढ़कर 45 डीग्री पहुँचने का अनुमान है। शरीर में पानी/नमक की कमी होने पर लू लगने का खतरा ज्यादा रहता है। इसके क्रम में लू (हीट स्ट्रोक) गर्म हवाओं से बचने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश निम्नवत हैं- लू (हीट स्ट्रोक) के लक्षण। गर्म, लाल, शुष्क त्वचा का होना, पसीना न आना। तेज पल्स होना। उथले श्वास गति में तेजी। व्यवहार में परिवर्तन, भ्रम की स्थिती सिरदर्द, मितली, थकान, और कमजोरी होना, चक्कर आना। मूत्र न होना अथवा इसमें कमी। लू (हीट स्ट्रोक) से बचने के उपाय। क्या करें स्थानिय मौसम के पूवार्नुमान को सुनें और आगामी तापमान में होने वाले परिवर्तन के प्रति सतर्क रहें। आपात स्थिती से निपटने के लिए प्राथमिक उपचार का प्रशिक्षण लें। अधिक से अधिक पानी पियें। यदि प्यास न लगी हो तब भी। हल्के रगं के पसीना शोषित करने वाले हल्के वस्त्र पहने। धूप के चश्मे, छाता, गमछा, टोपी व चप्पल का प्रयोग करें। अगर आप खुले में कार्य करते हैं तो सिर, चेहरा, हाथ पैरों को गीले कपड़े से ढके रहें तथा छाता का प्रयोग करें। दोपहर में घर से निकलते समय शरीर के अंगों को अधिक से अधिक ढककर रखें। सूती व खादी वस्त्र पहनें। यात्रा करते समय पीने का पानी साथ ले जाएं। घर में बने हुये पेय पदार्थ जैसे लस्सी, चावल का पानी (माड़), नींबू पानी, छाछ आदि का उपयोग करें, जिससे कि शरीर में पानी की कमी की भरपाई हो सके। अपने घर को ठण्डा रखें, पर्दे, दरवाजे आदि का उपयोग करें तथा शाम/रात के समय घर तथा कमरों को ठण्डा करने हेतु इसे खोल दें। पंखे, गीले कपड़ों का उपयोग करें तथा बारम्बार स्नान करें। कार्य स्थल पर ठण्डे पीने का पानी रखें/उपलब्ध करायें। कर्मियों को सीधी सूर्य की रोशनी से बचने हेतु सावधान करें। गर्भस्थ महिला कर्मियों तथा रोगग्रस्त कर्मियों पर अतिरिक्त ध्यान देना चाहिए। दोपहर 12 से 4 बजे घर के अंदर रहें। पशुओं को छाया में रखें व ताजा पानी दें। क्या न करें। गहरे रंग के भारी तथा तंग कपड़े न पहनें। खाली पेट घर से बाहर न निकलें। एल्कोहल, चाय व कॉफी से परहेज करें। बासी खाने से परहेज करें। जानवर एवं बच्चों को कभी भी बन्द/खड़ी गाड़ियों में अकेला न छोड़ें। दोपहर में अतिरिक्त शारीरिक श्रम न करें। वाहनों को धूप में खड़ा न करें। धूप में नगें पॉव न रहें।

मुख्य विकास अधिकारी की अध्यक्षता में जेवर वार्ड-12 उप निर्वाचन हेतु कार्मिकों का प्रशिक्षण हुआ संपन्न

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

गौतमबुद्धनगर। मुख्य विकास अधिकारी डॉक्टर शिवाकांत द्विवेदी की अध्यक्षता में आज विकास भवन सभागार में नगर पंचायत जेवर वार्ड-12 के उप निर्वाचन, दिनांक 05 मई 2026 के दृष्टिगत पीठासीन अधिकारियों एवं मतदान कार्मिकों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। प्रशिक्षण मास्टर ट्रेनर द्वारा चुनाव की निष्पक्ष, पारदर्शी एवं सुचारू रूप से संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश प्रदान किए गए। प्रशिक्षण में पोलिंग पार्टियों के गठन, निर्वाचन प्रक्रिया, मतगणना संबंधी व्यवस्थाओं तथा मतदान से संबंधित विभिन्न प्रक्रियाओं की विस्तार से जानकारी दी गई। कुल 02 पोलिंग पार्टियों एवं 01 रिजर्व पार्टी को प्रशिक्षण प्रदान किया गया। द्वितीय प्रशिक्षण 04 मई 2026 को आयोजित किया जाएगा। प्रशिक्षण में जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप सिंह, निर्वाचन के रिटर्निंग अधिकारी लवेश कुमार सिसोदिया तथा निर्वाचन कार्य से संबंधित अधिकारी एवं कार्मिक उपस्थित रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम में नगर पंचायत जेवर वार्ड-12 उप निर्वाचन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने हेतु सभी संबंधित अधिकारियों एवं कार्मिकों को आवश्यक निर्देश प्रदान किए गए।

पंचायती राज मंत्री ओपी राजभर का एलान- प्रदेश में बढ़ाया जाएगा प्रधानों, ब्लॉक प्रमुखों का कार्यकाल, मामला कोर्ट में

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। पंचायती राज मंत्री ओपी राजभर ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव न होने पर प्रधानों, ब्लॉक प्रमुखों व जिला पंचायत अध्यक्षों का कार्यकाल बढ़ाया जाएगा। हम खुद इसके समर्थक है। यह मामला हाईकोर्ट में विचाराधीन है। कोर्ट आदेश देगी तो हम चुनाव कराने के लिए तैयार हैं। चुनाव न होने की स्थिति में वह पदेन पदाधिकारियों को ही प्रशासक बनाकर उनका कार्यकाल बढ़ाने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री के समक्ष रखेंगे और इसे लागू कराने की कोशिश करेंगे। पंचायती राज मंत्री मंगलवार को पंचायती राज निदेशालय में क्षेत्र पंचायत प्रमुखों के लिए आयोजित राज्य स्तरीय विशेष कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राजस्थान, मध्य प्रदेश व उत्तराखंड में पदेन पदाधिकारियों को ही प्रशासक बनाया गया है। ऐसे में मजबूत प्रस्ताव तैयार किया जाए। दरअसल, कुछ ब्लॉक प्रमुखों द्वारा चुनाव न होने की स्थिति में कार्यकाल बढ़ाए जाने को लेकर नारेबाजी और हंगामा करते हुए कहा कि हमें अपनी मांगें पूरी कराने के लिए कोर्ट का दरवाजा खटखटाना चाहिए। विभाग के आश्वासन के बावजूद उनकी मांगें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। ब्लॉक प्रमुख संघ के अध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह व संरक्षक जगमोहन सिंह यादव ने चुनाव न होने की स्थिति में पदेन पदाधिकारियों को ही प्रशासक बनाने की मांग रखी। वहीं हर ब्लॉक पर एक सरकारी वाहन, एक करोड़ का बीमा, ब्लॉक प्रमुखों को जिलों में मुख्यमंत्री व मंत्री के कार्यक्रमों में आमंत्रित करने की मांग भी की। प्रमुख सचिव, पंचायती राज अनिल कुमार ने आश्वासन दिया कि वह सभी जरूरी मांगें पूरी करेंगे। कार्यशाला में प्रमुख सचिव अनिल कुमार, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) की निदेशक गुंजन द्विवेदी, संयुक्त निदेशक एसएन सिंह, उप्र ब्लॉक प्रमुख संघ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष यशवंत सिंह, महामंत्री त्रिपुर मिश्रा आदि मौजूद रहे। मंत्री ने कहा कि जल्द ब्लॉक प्रमुखों की विकास निधि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 15 लाख रुपये कर दी जाएगी। ब्लॉक कार्यालयों में एडीओ पंचायत के बैठने की व्यवस्था की जाएगी। क्षेत्र पंचायत प्रमुख पंचायती राज व्यवस्था की मजबूत कड़ी हैं। मजबूत कार्ययोजना, पारदर्शिता एवं जनभागीदारी के माध्यम से ही समग्र विकास सुनिश्चित किया जा सकता है। प्रशासनिक समन्वय को सशक्त करने के सत्र भी आयोजित किए गए। मंत्री यह बातें पंचायती राज निदेशालय में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में कह रहे थे। इस दौरान ब्लॉक प्रमुखों ने अपनी विभिन्न मांगें रखीं, जिनमें सरकारी वाहन, एक करोड़ रुपये का बीमा और सरकारी कार्यक्रमों में आमंत्रण शामिल है। प्रमुख सचिव अनिल कुमार ने इन मांगों पर सकारात्मक आश्वासन दिया।

मंत्री ने यह भी घोषणा की कि ब्लॉक प्रमुखों की विकास निधि 10 लाख से बढ़ाकर 15 लाख रुपये की जाएगी। उन्होंने कहा कि पारदर्शिता, जनभागीदारी और मजबूत योजना के जरिए पंचायत व्यवस्था को और सशक्त बनाया जाएगा।

यूपी के किसानों को मिलेगी 122.28 करोड़ रुपये की फसल क्षतिपूर्ति, 4 मई को होगा वितरण

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

लखनऊ। प्रदेश के किसानों को प्राकृतिक आपदाओं और प्रतिकूल मौसम के कारण होने वाले नुकसान से राहत दिलाने के लिए योगी सरकार लगातार सक्रिय भूमिका निभा रही है। इसी क्रम में 4 मई को राज्य भर के किसानों को बड़ी राहत मिलने जा रही है। सरकार द्वारा खरीफ 2025 और रबी 2025-26 सीजन की फसल क्षतिपूर्ति के रूप में कुल 122.28 करोड़ रुपये की धनराशि किसानों के खातों में हस्तांतरित की जाएगी। यह वितरण प्रदेश के सभी जनपदों में जनप्रतिनिधियों के माध्यम से किया जाएगा। निदेशक कृषि सांख्यिकी एवं फसल बीमा सुमिता सिंह ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना और पुनर्गठित मौसम आधारित फसल बीमा योजना के तहत यह भुगतान किया जा रहा है। प्रदेश के सभी जनपदों में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना लागू है, जबकि 60 चयनित जनपदों में मौसम आधारित फसल बीमा योजना भी संचालित की जा रही है। इन योजनाओं का उद्देश्य किसानों को प्राकृतिक आपदाओं, असमय वर्षा, सूखा, ओलावृष्टि और अन्य जोखिमों से सुरक्षा प्रदान करना है।

उन्होंने बताया कि खरीफ 2025 सीजन के लिए कुल देय क्षतिपूर्ति 730.04 करोड़ रुपये निर्धारित की गई थी, जिसमें से 624.88 करोड़ रुपये का भुगतान पहले ही किसानों को किया जा चुका है। शेष 105.16 करोड़ रुपये की राशि 4 मई को किसानों को वितरित की जाएगी। इसी प्रकार रबी 2025-26 सीजन के लिए 17.11 करोड़ रुपये की शेष क्षतिपूर्ति भी इसी दिन किसानों के खातों में भेजी जाएगी। इस प्रकार कुल मिलाकर 122.28 करोड़ रुपये की राशि सीधे किसानों के बैंक खातों में ट्रांसफर की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले 21 फरवरी 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वन-क्लिक प्रणाली के माध्यम से खरीफ 2025 की 285 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति 2.51 लाख किसानों को वितरित की थी। सरकार का प्रयास है कि किसानों को समय पर आर्थिक सहायता मिलती रहे, जिससे वे अगली फसल की तैयारी बिना किसी बाधा के कर सकें। सरकार द्वारा संचालित प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना वर्ष 2016 से लागू है और यह योजना किसानों के लिए काफी लाभकारी साबित हो रही है। वर्ष 2017-18 से लेकर वर्ष 2025-26 तक इस योजना के अंतर्गत प्रदेश के 67.86 लाख किसानों को कुल 5755.68 करोड़ रुपये की क्षतिपूर्ति प्रदान की जा चुकी है। यह आंकड़ा इस योजना की व्यापकता और प्रभावशीलता को दर्शाता है। इस योजना के तहत खरीफ सीजन की प्रमुख फसलें जैसे धान, ज्वार, बाजरा, मक्का, उड़द, मूंग, अरहर, मूंगफली, सोयाबीन और तिल को शामिल किया गया है, जबकि रबी सीजन में गेहूं, जौ, चना, मटर, मसूर, सरसों, अलसी और आलू जैसी फसलों को कवर किया जाता है। यह योजना ग्राम पंचायत स्तर तक लागू की गई है, जिससे अधिक से अधिक किसानों को इसका लाभ मिल सके। किसानों के लिए इस योजना में प्रीमियम दरें बेहद कम रखी गई हैं। खरीफ फसलों के लिए बीमित राशि का केवल 2 प्रतिशत, रबी फसलों के लिए 1.5 प्रतिशत और वार्षिक नकदी फसलों के लिए अधिकतम 5 प्रतिशत प्रीमियम निर्धारित है।

शेष प्रीमियम राशि का वहन केंद्र और राज्य सरकार द्वारा समान रूप से किया जाता है, जिससे किसानों पर आर्थिक बोझ कम पड़ता है। योगी सरकार का मानना है कि किसानों की आय को स्थिर और सुरक्षित बनाना प्रदेश के समग्र विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। इसी दिशा में फसल बीमा योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन और समय पर क्षतिपूर्ति भुगतान सुनिश्चित करने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। 4 मई को होने वाला यह वितरण कार्यक्रम किसानों के लिए बड़ी राहत लेकर आएगा और उन्हें भविष्य की खेती के लिए आर्थिक मजबूती प्रदान करेगा।

जिलाधिकारी ने निरीक्षण कर निर्माण में तेजी के दिये निर्देश

स्वास्तिक सहारा ब्यूरो

सोनभद्र। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने जनपद में संचालित विभिन्न निर्माण कार्यों का स्थलीय निरीक्षण कर उनकी प्रगति का जायजा लिया। स्थलीय निरीक्षण के दौरान उन्होंने टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर, पर्यटन कार्यालय तथा राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय लोढ़ी के निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। टूरिस्ट फैसिलिटेशन सेंटर के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया कि भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता की जांच थर्ड पार्टी के माध्यम से कराई जाए साथ ही कार्यस्थल पर श्रमिकों से संबंधित सभी रजिस्टर अद्यतन रूप से उपलब्ध रखने तथा निर्माण कार्य को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने के निर्देश दिए। पर्यटन कार्यालय के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि को फिनिशिंग कार्य शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए, ताकि भवन का उपयोग जल्द से जल्द प्रारंभ किया जा सके। निरीक्षण के दौरान राजकीय आश्रम पद्धति विद्यालय लोढ़ी के निर्माण कार्य की प्रगति धीमी पाए जाने पर जिलाधिकारी ने नाराजगी व्यक्त की, उन्होंने अधिशासी अभियंता यूपी सिडको को निर्देशित किया कि कार्य में तेजी लाने हेतु श्रमिकों की संख्या बढ़ाई जाए और निर्माण कार्य को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण कर लिया जाये। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि कार्य में किसी भी प्रकार की शिथिलता या लापरवाही पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। इस मौके पर जिला समाज कल्याण अधकारी श्री ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया, जिला अर्थ संख्या अधिकारी संत पाल वर्मा, सहायक पर्यटन अधिकारी राजेश भारती, ए0डी0एस0टी0ओ0 जय सिंह सहित अन्य सम्बन्धितगण उपस्थित रहें।